RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 जन्नत जुबैर के इस पोस्ट पर ...

वर्ष : 26 अंक : 294 website:www.chetnamanch.com नोएडा, मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

बहराइच में तनाव, चप्पे-चप्पे पर पुलिस

मुख्यमंत्री से मिला रामगोपाल का परिवार

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के शोभा यात्रा के दौरान शुरू हुई हिंसा के बाद बहराइच में अभी भी तनाव है। जिले में हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात है। महसी में इंटरनेट सेवा अभी भी बंद है। वहीं मंगलवार दोपहर बहराइच हिंसा में मारे गए युवक रामगोपाल के परिजनों ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और इंसाफ मांगा।

बहराइच प्रशासन ने इलाके में भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात किया है। उसके बावजूद उपद्रवियों ने नकवा गांव में देर रात धार्मिक स्थल को तोड़ दिया और आग लगाने की कोशिश भी की। लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात को काबू में किया।

आज बहराइच में जगह-जगह पुलिस फोर्स तैनात दिखाई दी। इसके बाद भी उपद्रवियों ने सोमवार रात करीब 10 बजे एक गांव में आगजनी की। नकवा गांव के प्रधान ने बताया कि 10 से 15 लोग आए और उन्होंने आगजनी की। आगजनी के बाद पुलिस और पीएसी की भारी फोर्स मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस को देखते ही उपद्रवी भाग गए।

महसी के बीडीओ हेमंत यादव ने बताया कि कुछ उपद्रवी तत्वों ने गांव में आगजनी की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात काबू में किए। उन्होंने बताया कि (शेष पृष्ठ-3 पर)

'खून का बदला खून'

बहराइच हिंसा में मारे गए रामगोपाल मिश्रा के परिवार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात से पहले कहा कि हमें आरोपियों का एनकाउंटर चाहिए। मृतक रामगोपाल की पत्नी ने कहा कि जैसे मेरे पति को मारा गया, वैसे ही उन्हें भी मारा जाए. हमें सीएम से और कुछ नहीं चाहिए। हमें तो खून के बदले खून चाहिए. वहीं जब उनसे पूछा गया कि पुलिस ने जो कार्रवाई की है, आप उससे संतुष्ट हैं या नहीं तो इस पर रोली मिश्रा ने कहा कि हम पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। जब तक उन लोगों को सजा नहीं मिलती, उनका भी इस तरह से खून नहीं बहता, तबतक हम संतुष्ट नहीं होंगे। वहां जाकर देखते हैं। उनको जब सजा मिलेगी तो हमारे पति को शांति मिल जाएगी। हम लोगों को भी मिल जाएगी और कुछ नहीं चाहिए।

महसी में इंटरनेट बंद, मौके पर तैनात अधिकारी

सर्विस रोड पर मिला युवती का लहूलुहान शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के दादरी बाईपास की सर्विस रोड पर एक अज्ञात युवती का शव बरामद हुआ है। युवती के सिर में चोट है। पुलिस आशंका जता रही है कि किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवती की मौत हुई है।

ग्राम शाहपुर निवासी नरेश बंसल ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह मॉर्निंग वॉक करने के लिए गया था। मॉर्निंग वॉक करते हुए जब वह दादरी बाईपास की सर्विस रोड से आ रहा था तो उसे सड़क किनारे एक युवती का लहू लुहान शव पड़ा हुआ दिखाई दिया। उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिल पाई।

थाना प्रभारी के मुताबिक युवती के सिर में चोट है। घटनास्थल को देखकर प्रतीत होता है कि संभवत किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवती की मौत हुई है। मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस युवती की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। आसपास के थाना क्षेत्र को अज्ञात शव मिलने की सूचना दे दी गई है।

उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाने पर लगे ब्रेक!

सीबीआई से अनुमति मिलने के बाद ही शुरू हो पाएगा निर्माण

नोएडा (चेतना मंच)। उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाने का सपना अब अधर में लटक गया है। इस ड्रीम प्रोजेक्ट का निर्माण अब सीबीआई की मंजूरी पर निर्भर है।

बता दें कि नोएडा प्राधिकरण ने गोल चक्कर से लेकर झुंडपुरा सेक्टर-11 तिराहे तक गुजरने वाले उद्योग मार्ग के अत्याधुनिक मॉडल रोड बनाने की योजना बनाई थी। इसके लिए 49 करोड़ का बजट भी अनुमोदित हो गया था। निविदा जारी करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने तीन बार कंपनियों से आवेदन भी कराया तथ चौथी बार कंपनी के चयन के बाद निर्माण कार्य का आवंटन होना था। इस दौरान प्राधिकरण के शीर्ष अफसरों को याद आया कि इस सड़क पर बिजली के केबिल बिछाने के दौरान 954 करोड़ रूपये का घोटाला हुआ था जिसकी जांच सीबीआई कर रही है।

सेक्टर-2 स्थित लाल मंदिर के पास से बिजली केबिल के नमूने भी लिए गए थे। इस मामले में तत्कालीन मुख्य अभियंता यादव सिंह को जेल हुई थी। यह मामला 14 वर्ष पूर्व का है। अभी भी सीबीआई जांच चल रही है। अब सिविल विभाग ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

अधिवक्ता को ससुरालियों ने घर में घुसकर पीटा, तोड़फोड़ की

दादरी (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक अधिवक्ता ने अपने ससुराल वालों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ व जानलेवा हमला करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। इस संबंध में आठ नामजद सहित करीब 15 अज्ञात लोगों को नामजद किया गया है।

ग्राम बसंतपुर बांगर निवासी अधिवक्ता करविंदर विकल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 29 सितंबर की दोपहर को घर पर उसके ससुराल से मलखान सिंह, विनीत, विपुल, संतोष, जयकुमार निवासी मोदीनगर गाजियाबाद, सुशील कुमार भाटी निवासी जलालपुर मेरठ, संतोष, विजय कुमार के लड़के सहित करीब 15 अज्ञात लोग जबरन उसके घर में घुस आए। सभी लोगों के हाथ में डंडा सरिया तथा लोहे की रोड थी। उनकी पत्नी के मामा सुशील कुमार भाटी ने हाथ में लाइसेंसी पिस्तौल ले रखी थी। ससुराल वालों ने घर में घुसते ही उस पर (शेष पृष्ठ-3 पर)

ब्रह्म गोष्ठी आज शाम कलराज मिश्र रहेंगे मौजूद

नोएडा (चेतना मंच)। आज शाम को सेक्टर-22 स्थित चौड़ा रघुनाथपुर में ब्रह्म गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र शिरकत करेंगे। इस मौके पर श्री मिश्र ब्राह्मणों के प्रतिनिधियों से मिलेंगे तथा उनसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

बैंकट हॉल में परोसी हरियाणा में बनी शराब

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर स्थित एक बैंकट हॉल में उत्तर प्रदेश के लाइसेंस पर हरियाणा राज्य की शराब पिलाये जाने का आबकारी विभाग ने भंडाफोड़ किया है। आबकारी विभाग की टीम ने मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बैंक्विट हॉल से हरियाणा राज्य की शराब बरामद की है। आबकारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह ने थाना सूरजपुर में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी टीम के साथ शराब के बाद बिक्री व तस्करी रोकने के लिए गश्त पर थे। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि सूरजपुर स्थित दा एड्रेस बाय रेड कॉरपोरेट नामक बैंक्विट हॉल में अवैध रूप से हरियाणा राज्य की शराब पिलाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने उक्त बैंकट हॉल पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान ग्राउंड फ्लोर (शेष पृष्ठ-3 पर)

मकान में चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र के अस्तोली गांव में चोरों ने एक मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोर घर से 20 हजार रुपए और लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। घटना के समय परिजन घर में सोए हुए थे। ग्राम अस्तोली निवासी आजाद सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 8, 9 अक्टूबर की रात्रि को चोरों ने उनके घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया। सुबह 4 बजे जब वह सोकर उठे तो उन्हें घर के दरवाजे खुले हुए तथा सामान बिखरा हुआ मिला। उन्होंने जब घर की जांच की तो पता चला कि चोर अलमारी में रखे 20 हजार रुपए, सोने की अंगूठी, गले की कंठी, कान की बालियां, मंगलसूत्र, पायल आदि जेवरात को चोरी कर ले गए हैं। उन्होंने बताया कि (शेष पृष्ठ-3 पर)

डबल रेट पर बेच रहा था सिगरेट, विरोध करने पर पीटा

नोएडा (चेतना मंच)। पुराना कोर्ट वाइन शॉप की कैंटीन में डबल रेट पर बेची जा रही सिगरेट लेने से इनकार करने पर युवक की जमकर पिटाई कर दी गई। अधिक पैसे लेने का विरोध किए जाने पर दुकानदार व वाइन शॉप में मौजूद लोग युवक को जबरन ठेके के भीतर ले गए और वहां भी उसके साथ मारपीट की गई। पीड़ित की शिकायत पर थाना फेस-2 पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

कुलेसरा गांव में रहने वाले सचिन उपाध्याय ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 अक्टूबर की रात्रि को वह पुराना कोर्ट वाइन शॉप के पास चल रही कैंटीन पर सिगरेट लेने गया था। दुकानदार ने 10 रुपए वाली सिगरेट के 20 रुपए मांगे। इस पर उसने सिगरेट खरीदने से मना कर दिया। कैंटीन संचालक ने इस बात को लेकर उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। उसने जब गाली देने का (शेष पृष्ठ-3 पर)

कांग्रेस नेता की कार चोरी, 13 दिनों बाद भी कोई सुराग नहीं

कानून व्यवस्था को लेकर प्रदर्शन की चेतावनी

नोएडा (चेतना मंच)। इन दिनों नोएडा में वाहनों की चोरी बढ़ती जा रही है। आये दिन वाहनों की चोरी हो रही है। लेकिन पुलिस घटना को रोकने में नाकाम साबित हो रही है। इसी कड़ी में फेज-2 थाना क्षेत्र में निम्मी बिहार, सेक्टर-89 स्थित नीलकंठ एपार्टमेंट के पास एक कांग्रेस नेता की लाल रंग की ब्रीजा कार नम्बर यूपी-16 सीयू-3906 चोरी हो गई।

नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी के सचिव तथा संयुक्त किसान मजदूर संगठन के पश्चिमी प्रांत के प्रदेश अध्यक्ष बीरेन्द्र मुखिया ने बताया कि 3 अक्टूबर की रात में नीलकंठ एपार्टमेंट के बाहर गाड़ी खड़ी थी। सुबह देखा तो कार गायब मिली। उन्होंने 5 अक्टूबर को फेज-2 थाने में तहरीर तो दे दी है। पर पुलिस अभी तक कार का कोई सुराग नहीं लगा पाई है। इससे लोगों में काफी आक्रोश है।

युवक कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष तथा पीसीसी सदस्य शाहबुददीन ने कहा कि नोएडा में चोरों के हौंसले काफी बुलंद हैं। रोज वाहनों तथा घरों में चोरियां हो रही हैं। लेकिन पुलिस इसे रोकने में नाकाम है। यदि शीघ्र कार चोरी का खुलासा नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी कानून व्यवस्था की लड़खड़ाती स्थिति के विरोध में नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन करेगी।

बेटा होने की खुशी में फोड़ा पटाखा, पड़ोसी ने फोड़ा सिर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बेटे का जन्म होने की खुशी में घर के बाहर पटाखे जलाना एक व्यक्ति को खासा महंगा पड़ा। पटाखे की आवाज से पड़ोसी इस कदर नाराज हुआ कि उसने सरिया से वार कर उक्त व्यक्ति का सिर फोड़ दिया। पीड़ित के भाई ने आरोपी व उसके साथियों के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है। मूल रूप से जनपद हरदोई निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि उसका भाई सुमित मिल्क लच्छी गांव में रह रहा है। 12 अक्टूबर को सुमित के यहां बेटा हुआ। बेटा होने की खुशी में सुमित घर के बाहर पटाखे जला रहा था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला मनोज व उसके साथी मौके पर पहुंचे और पटाखे चलाने का विरोध कर गाली-गलौज करने लगे। सुमित ने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो मनोज ने उसके सिर पर लोहे की सरिया से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। झगड़ा होता देखकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अमर शहीद लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की प्रतिमा का अनावरण

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-37 स्थित अरूण विहार कम्युनिटी सेंटर में शहीद लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की मूर्ति का अनावरण किया गया। अरुण खेत्रपाल के नाम पर ही इस सेक्टर का नाम अरूण विहार रखा गया था। उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान 21 साल की उम्र में अपनी जान दे दी थी। उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए, उन्हें पंजाब के शकरगढ़ सेक्टर में बसंतर की लड़ाई में परमवीर चक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया था। मुकेश खेत्रपाल और राज ढींगरा, अरुण खेत्रपाल के छोटे भाई और बुआ ने प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर AVCC के अध्यक्ष कर्नल प्रशांत गुप्ता (सेवानिवृत्त) ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की प्रतिमा के अनावरण में लॉरेंस स्कूल स्नावर के कई (शेष पृष्ठ-3 पर)

भाजपा का सक्रिय सदस्यता अभियान कल से

दिसंबर में मंडलों के गठन की प्रक्रिया होगी शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। साधारण सदस्य के बाद कल यानी 16 अक्टूबर से आठों मंडलों में सक्रिय सदस्यता अभियान शुरू होगा। सक्रिय सदस्य ही पार्टी तथा पार्टी के विभिन्न मोर्चा में पदाधिकारी बन सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री उमेश त्यागी ने बताया कि हर मंडल में 200 सक्रिय सदस्य बनाए जाने हैं। इस तरह आठों मंडलों में कुल 1600 सक्रिय सदस्य बनाए जाएंगे। कम से कम 100 साधारण सदस्य बनाने वाला ही सक्रिय सदस्य बनेगा। सक्रिय सदस्य बनाने के बाद नवंबर को प्रदेश हाईकमान सूची को अनुमोदित करेगा। इसके बाद दिसंबर में मंडलों के गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि सक्रिय सदस्य बनाने का अभियान 16 से 30 अक्टूबर तक चलेगा। इसके पूर्व व्यापक रूप से साधारण सदस्यता अभियान चलाया गया था। इसके बाद विशेष सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसमें पार्टी के नोएडा महानगर के पदाधिकारियों, विधायक, सांसद के अलावा सभी मोर्चों, बूथों व मंडलों के पदाधिकारियों ने अभियान चलाकर रिकॉर्ड सदस्य बनाये थे। नोएडा सदस्यता की दृष्टि से पूरे प्रदेश में अव्वल रहा था। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा

फ़ोन .08750611103

हिन्दुओं की चिंता

हाल के दिनों में बांग्लादेश के हिंदू मंदिरों में हुए हमलों की भारत द्वारा कड़ी निंदा सरकार की किंकर्तव्यविमूढ़ता की स्थिति को ही दर्शाता है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दी गई। जिसमें तमाम स्थानों पर अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाने पर लिया गया। जिसके बाद नई दिल्ली ने बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में बार-बार चिंता व्यक्त की है। यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर जारी है। इसमें धार्मिक स्थलों और पूजा पंडालों को अपवित्र करने, तोड़फोड़ और डकैती जैसी कई घटनाएं सामने आई हैं। इस पर यूनुस की दलील रही है कि ये हमले राजनीति से प्रेरित हैं और इन्हें सांप्रदायिक नहीं कहा जा सकता। वहीं बार-बार धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने के आश्वासन और समय-समय पर मंदिरों में जाने के बावजूद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत के एक व्यवस्थित पैटर्न को पनपने दिया जा रहा है। बीच-बीच में सरकारी नौकरियों व शिक्षकों की भूमिका निभा रहे अल्पसंख्यकों को जबरन इस्तीफा देने के लिये दबाव बनाने के आरोप भी लगते रहे हैं। यहां तक कि मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बांग्लादेश यात्रा के दौरान दिए गए मुकुट के चोरी हो जाने का समाचार पिछले दिनों आया। निस्संदेह, अल्पसंख्यकों के खिलाफ यह मुहिम गंभीर चिंता का विषय है। निश्चित रूप से, यह भारत-बांग्लादेश के संबंधों के लिये परीक्षा का समय है। मुकदमा चलाने के लिये शेख हसीना को वापस भेजने की मांग पर नई दिल्ली की चुप्पी ने ढाका में हलचल बढ़ाई है। दरअसल, बदले हालात में वहां एक वर्ग का उदय हुआ है जो चाहता है कि बांग्लादेश अपने शक्तिशाली पड़ोसी से आंख में आंख डालकर बात करे। हालांकि, यह धारणा गलत व अव्यावहारिक है। फिर भी दोनों पक्षों को बढ़ते अविश्वास की खाई को पाटने में किसी भी देरी को टालना होगा। राजनयिक चैनलों को पूरी ताकत के साथ सक्रिय करने की जरूरत है। जिसके लिये जरूरत पड़ने पर सख्ती दिखाने की भी जरूरत होगी। ऐसे में पश्चिमी देशों के पोस्टर बॉय बने सत्ता की बागडोर संभालने वाले मोहम्मद यूनुस की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर फिलहाल बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह भारत के लिये भी एक सबक है। अपने देश में भी अल्पसंख्यकों के साथ किसी तरह का भेदभाव व दुराग्रह उतना ही अनुचित होगा, जैसा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ किया जा रहा है। यह भेदभावपूर्ण व्यवहार व बेतुकापन खत्म होना चाहिए। यह भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की नीति के विरुद्ध होगा। दूसरे शब्दों में यह भारत और भारतीयता का अपमान भी होगा। हर देश में अल्पसंख्यकों के साथ सहिष्णुता का व्यवहार वक्त की पहली जरूरत है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि यद्यपि इसमें संदेह नहीं कि मित्र, स्वामी, पिता और गुरु के घर बिना बुलाए भी जाना चाहिए तो भी जहाँ कोई विरोध मानता हो, उसके घर जाने से कल्याण नहीं होता॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

भाँति अनेक संभु समुझावा। भावी बस न ग्यानु उर आवा॥

कह प्रभु जाहु जो बिनहिं बोलाएँ। नहिं भलि बात हमारे भाएँ॥

शिवजी ने बहुत प्रकार से समझाया, पर होनहारवश सती के हृदय में बोध नहीं हुआ। फिर शिवजी ने कहा कि यदि बिना बुलाए जाओगी, तो हमारी समझ में अच्छी बात न होगी॥

दो0-कहि देखा हर जतन बहु रहइ न दच्छकुमारि।

दिए मुख्य गन संग तब बिदा कीन्ह त्रिपुरारि॥

शिवजी ने बहुत प्रकार से कहकर देख लिया, किन्तु जब सती किसी प्रकार भी नहीं रुकीं, तब त्रिपुरारि महादेवजी ने अपने मुख्य गणों को साथ देकर उनको बिदा कर दिया॥

पिता भवन जब गईं भवानी। दच्छ त्रास काहुँ न सनमानी॥

सादर भलेहिं मिली एक माता। भगिनीं मिलीं बहुत मुसुकाता॥

भवानी जब पिता (दक्ष) के घर पहुँचीं, तब दक्ष के डर के मारे किसी ने उनकी आवभगत नहीं की, केवल एक माता भले ही आदर से मिली। बहिनें बहुत मुस्कुराती हुई मिलीं॥

(क्रमशः..)

शोध और नवाचार में भारत की ऊंचाई

हाल ही में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा प्रकाशित ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2024 की रैंकिंग में 133 अर्थव्यवस्थाओं में भारत ने 39वां स्थान हासिल किया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जो भारत जीआईआई रैंकिंग में 2015 में 81वें स्थान पर था, अब वह 39वें स्थान पर पहुंच गया है। जीआईआई रैंकिंग में भारत की प्रगति दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। इस ऊंची रैंकिंग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के वाइब्रेंट इनोवेटिव इकोसिस्टम की उपलब्धि बताया है। गौरतलब है कि जीआईआई 2024 के तहत भारत निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है। भारत मध्य और दक्षिणी एशिया क्षेत्र की 10 अर्थव्यवस्थाओं में भी पहले स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) क्लस्टर रैंकिंग में चौथे स्थान पर है। भारत के प्रमुख शहर मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई दुनिया के शीर्ष 100 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टरों में सूचीबद्ध हैं और भारत अमूर्त संपत्ति तीव्रता में वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर है। जीआईआई 2024 के अनुसार, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, अमेरिका, सिंगापुर और यूके दुनिया की सबसे अधिक नवोन्मेषी अर्थव्यवस्थाएं हैं, जबकि चीन, तुर्की, भारत, वियतनाम और फिलीपींस पिछले एक दशक में सबसे तेजी से ऊपर आने वाले देश हैं। यदि हम बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार से जुड़े अन्य वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों को भी देखें तो पाते हैं कि भारत इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी उद्योग मंडल 'यूएस चैंबर्स ऑफ कॉमर्स' के ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर के द्वारा जारी वैश्विक बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक 2024 में भारत दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 42वें स्थान पर है।

निस्संदेह शोध एवं नवाचार तथा बौद्धिक सम्पदा की दुनिया में भारत की रैंकिंग यह दर्शा रही है कि भारत इनोवेशन का हब बनता जा रहा है। भारत में शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और डिजिटल सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। भारत आइटी सेवा निर्यात और वेंचर कैपिटल हासिल करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और इंजीनियरिंग ग्रेजुएट तैयार करने में भी भारत दुनिया में सबसे आगे है। भारत के उद्योग-कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक कृषि से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए भारत ने जिस तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया, उससे भारत कृषि विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा है। विगत अगस्त माह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के खेतों में जाकर जारी की गई 61 फसलों की 109 नई एवं उन्नत किस्मों से कृषि नवाचार का नया अध्याय लिखा गया है। निश्चित रूप से शोध एवं नवाचार के मद्देनजर भारत ने कारोबारी विशेषज्ञता, रचनात्मकता, राजनीतिक और संचालन से जुड़ी स्थिरता, सरकार की प्रभावशीलता जैसे विविध क्षेत्रों में अच्छे सुधार किए हैं। साथ ही भारत में घरेलू कारोबार में सरलता, विदेशी निवेश जैसे मानकों में भी बड़ा सुधार दिखाई दिया है। भारत की शोध एवं नवाचार ऊंचाई में अपार ज्ञान पूंजी, स्टार्टअप और यूनिकॉर्न, पेटेंट वृद्धि, घरेलू उद्योग विविधीकरण, हाइटेक विनिर्माण और सार्वजनिक और निजी अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए प्रभावी कार्यों के साथ-साथ अटल इनोवेशन मिशन ने भी अहम भूमिका निभाई है। भारत बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के अंतर्गत स्वदेश में विकसित लगभग 130 करोड़ रुपए की लागत के तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए। मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का भी उद्घाटन किया गया है। सुपरकंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर तैयार किए गए हैं। इन सुपरकंप्यूटरों को अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए पुणे, दिल्ली और कोलकाता में लगाया गया है।

यह बात महत्वपूर्ण है कि बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार के बहुआयामी लाभ होते हैं। इनके आधार पर किसी देश में विभिन्न देशों के उद्यमी और कारोबारी अपने उद्योग-कारोबार शुरू करने संबंधी निर्णय लेते हैं। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों की सरकारें भी ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स को ध्यान में रखकर अपने वैश्विक उद्योग-कारोबार के रिश्तों के लिए नीति बनाने की डगर पर बढ़ती हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध एवं विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआईसी) तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि सरकार बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार की अहमियत को समझते हुए इस क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए दिखाई दे रही है। वर्ष 2024-25 के बजट में वित्तमंत्री सीतारमण ने उभरते क्षेत्रों में नवाचार और शोध को प्रोत्साहन देने के लिए एक लाख करोड़ रुपए के कोष की स्थापना की है। यद्यपि भारत के विकास में बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार से जुड़े तीन आधारों की बढ़ती भूमिका दिखाई दे रही है, लेकिन इन आधारों से विकास को ऊंचाई देने के लिए इस क्षेत्र में सरकार व निजी क्षेत्र का परिव्यय बढ़ाना होगा। इस समय भारत में आरएंडडी पर जीडीपी का करीब 0.67 प्रतिशत ही व्यय हो रहा है। दुनिया के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब दो फीसदी शोध एवं विकास में व्यय किया जाता है। ऐसे में हमें ध्यान देना होगा कि कोई 6-7 दशक पहले अमेरिका ने आरएंडडी पर तेजी से अधिक खर्च करके सूचना प्रौद्योगिकी, संचार, दवाओं, अंतरिक्ष अन्वेषण, ऊर्जा और अन्य तमाम क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़कर दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनने का अध्याय लिखा है। हमें अपने औद्योगिक ढांचे में बदलाव लाना होगा, अपनी कंपनियों को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बदलाव को आकार देना होगा, अपनी कंपनियों पर प्रतिस्पर्धी होने का दबाव बनाने के लिए व्यापार नीति का इस्तेमाल करना होगा तथा सार्वजनिक शोध प्रणाली में परिवर्तन करना होगा।

हम उम्मीद करें कि सरकार डब्ल्यूआईपीओ के द्वारा प्रकाशित जीआईआई 2024 के तहत प्राप्त 39वीं रैंकिंग को और ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ेगी। साथ ही देश के उद्योग-कारोबार जगत के द्वारा देश के तेज विकास और आम आदमी के आर्थिक-सामाजिक कल्याण के मद्देनजर दुनिया के विभिन्न विकसित देशों की तरह भारत में भी बौद्धिक समझ, शोध एवं नवाचार पर अधिक धनराशि व्यय करने की डगर पर आगे बढ़ा जाएगा। इससे जहां ब्रांड इंडिया और मेड इन इंडिया की वैश्विक स्वीकार्यता सुनिश्चित की जा सकेगी, वहीं स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, कारोबार, ऊर्जा, शिक्षा, रक्षा, संचार, अंतरिक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगा। हम उम्मीद करें कि देश को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाने के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के मद्देनजर सरकार और उद्योग-कारोबार जगत के द्वारा बौद्धिक संपदा, शोध और नवाचार की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा तथा आर्थिक-सामाजिक विकास के नए अध्याय लिखने की डगर पर आगे बढ़ा जाएगा।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

रामलीला का बदलता स्वरूप समाज के लिए खतरा

दिल्लीवासियों का सम्बन्ध राम लीलाओं से काफी ही पुराना है। जिसका जीता जागता उदाहरण दिल्ली का ऐतिहासिक रामलीला मैदान है।जिसके जुड़ी हुई कुछ किस्से आज भी सुनने को मिलती रहती है।पिछले दिनों दिल्ली व एन सी आर राम भक्तों व रामलीलाओं मंचन व जयश्री राम व हर हर महादेव के नारे से पुरा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। दिल्ली व एन सी आर वाले शाम होते हीअपने परिवार के सदस्यो के संग रामलीला का आनंद लेने घर से निकल पड़ते थे।मुझे भी कुछ रामलीलाओं को अवलोकन का सुअवसर मिला।इस दौरान मुझे एक जिज्ञासु व दर्शक की पैनी नजर से रामायण के कई पात्रओ के बारे में बारीकी से जानने का अवसर मिला।रामलीलाओं स्थलों व मंचों के कई क्षण व दृश्य ऐसे आयें जिसने मुझे ना प्रभावित किया बल्कि कुछ सोचने को मजबूर कर दिया।इन में दो उल्लेखनीय पहलू है।रामलीला कर राम -रावण युद्ध का प्रसंग।आप को बता दें राम - रावण का युद्ध काफी ही शिक्षाप्रद व रोचक है।आज रामलीलाओं में मर चुका है रावण का शरीर,सुनसान है किले का परकोटा,चारो दिशाओं में उदासी पसरी है,किसी के घर में नही जल रहा दीया।विभीषण के घर छोड़ कर सागर के तट पर बैठ है विजय श्री राम।विभीषण को लंका का राज्य पाठ सौंपते हुए ताकि सुबह हो सके निर्विघ्न राज्याभिषेक,स्वयं राम लक्ष्मण से पुछते अपने सहयोगियों के कुशल क्षेम,चरणो में हनुमान बैठे।लक्ष्मण मन से क्षुब्द है।भ्राताश्री राम सीता माता को अशोक बाटिका मे क्यों नही लेने जाते है।

विभीषण का राज्याभिषेक हो गया है।लंका में राम प्रवेश कर एक भव्य भवन पहुंच गये है।हनुमान को अशोक वाटिका में संदेश देने भेजते है कि रावण मारा गया है और अब विभीषण लंकापति है।हनुमान का यह संदेश सुनकर माँसीता खामोश है,निहारती है उस रास्ते को।उनके मन में प्रश्न उठते है कि रावण का वध करते ही वनवासी राम,राजा राम बन गये क्या।लंका पहुंच कर वे क्यूं नही जानना चाहते है,एक वर्ष कहाँ रही सीता,कैसे रही उनकी सीता।माँ सीता के नयनों से अविरल बहते हए अश्रुधार।ना% राम भक्त हनुमान नही समझ पाते,ना रामायण के रचयिता बाल्मिकी कह नही पाते है।माँ सीता आज सोचती है कि अगर राम आते मै उन्हें यहाँ के परिचायिकाओं से,जिन्होने रावण के आदेश पर मुझे भयभीत तो किया,लेकिन नारी के पूर्ण गरिमा प्रदान की,वे रावण की अनुचरी थी लेकिन मेरे लिए माताओं के समान थी।अगर स्वयं राम आते यहाँ मै उन्हें इसे मिलवाते,यहाँ के अशोक के वृक्षों से जिन्होंने मुझे अपने विश्वास पर अड़े की आपर शक्ति देती रही,यहाँ की पुष्प व लताओं से जिन्होनें उनकी सीता कीआँसुओं को ओंस के कणों की तरह सहेज कर रखा।लेकिन वे अब तो वे राजा राम है कैसे आते अपनी सीता को लेने के लिए।देखते देखते कई पहर बीत गए,लंकापति विभीषण के नेतृत्व में माता सीता जी का श्रंगार की गई।भव्य पालकी मे बैठी हुई माँ सीता आज मन मन सोच रही है कि राजा जनक जी ने उन्हें इसी तरह से घर से विदा किया था।तभी वातावरण में स्वर गुंजता है कि सीता को मेरे पास पैदलआने दो। भुमि सुता माँ सीता जमीन पर कॉपती हुई चलते मन में ज्वलंत प्रशन उठते है कि मैंने स्वयंवर में जिसका वरण किया था क्या ये वही है यह पुरुष,जिसके प्रेम में अयोध्या का महल छोड़ कर उनके संग वन वन भटकी थी।हाँ रावण नें गोद मे उठाया था।मुझसे क्या था प्रणय निवेदन वह स्वयं में राजा था,चाहता तो बल पूवर्क ले जाता राजमहल में,लैकिन उसने मेरे स्त्रीत्व का अपमान कभी नही किया।रावण के विषय में सही जानकारी से आज बहुत लोग अपरिचित है।रावण कौन था,क्या रामायण का एक पात्र मात्र था आपके मन में भी कुछ ऐसे सवाल होंगे तो मै बता दूँ कि रावण एक महाज्ञानी,महा पराक्रमी और महाबलशाली था।रावण चारों वेदों का जानकार था।वह धरती पर मौजूद सबसे बुद्धिमान व्यक्तियों में से एक था।हालांकि उसके अहंकार के कारण उसका अंत हुआ।रावण भगवान शिव का परम भक्त था और उसे यह वरदान था कि कोई भी देवी-देवता का उसका अंत नहीं सकता।यही कारण है कि रावण का वध करने के लिए भगवान विष्णु को मानव रूप में अवतार लेना पड़ा।भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम ने रावण की नाभि में तीर मारकर उसका अंत किया।रावण के अंत से पहले भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच कई दिनों तक युद्ध चला।धर्म और अधर्म के बीच हुआ यह युद्ध कितने दिनों तक चला,इस बार में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच 84 दिनों तक युद्ध लड़ा गया।युद्ध में सफलता के लिए स्वयं भगवान श्रीराम ने शक्ति की उपासना की थी।जिसके बाद लगातार 9दिनों तक युद्ध के बाद दसवें दिन रावण का अंत कर दिया।इसलिए हिन्दू धर्म में नौ दिनों तक शक्ति की उपासना की जाती है और दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है।रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण के बीच लगातार 8 दिनों सीधे युद्ध हुआ था।अश्विन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को दोनों के बीच शुरू हुआ संग्राम दशमी को रावण वध के साथ समाप्त हुआ।रावण का अंत करने के बाद भगवान श्रीराम को वापस अयोध्या पहुंचने में करीब 20 दिन लगे थे।शास्त्रों के अनुसार रावण की सेना में करोड़ो लोग थे,बावजूद इसके भगवान श्रीराम और उनकी वानर सेना ने बहुत पराक्रम के साथ युद्ध किया और श्रीराम ने रावण का अंत कर दिया।सिर्फ रावण ही नहीं बल्कि उसकी सेना में ऐसे कई पराक्रमी योद्धा थे,जिन्हें किसी मनुष्य के लिए हराना असंभव था।इसलिए भगवान विष्णु के अवतार के साथ-साथ भगवान शिव और अन्य देवताओं ने भी अवतार लिए थें।श्रीराम-रावण के युद्ध में रावण के चार भाइयों कुम्भकर्ण,खर,दूषण और अहिरावण ने हिस्सा लिया था।इनमें से अहिरावण का अंत हनुमानजी ने किया था जबकि बाकी तीन भाइयों का अंत श्रीराम के हाथों हुआ।युद्ध में रावण के सात शूरवीर पुत्र भी उतरे थे।इनमें से मेघनाद, प्रहस्त और अतिकाय का अंत लक्ष्मणजी ने किया जबकि नरान्तक, देवान्तक और अक्षय कुमार का अंत हनुमान के हाथों हुआ।रावण के एक पुत्र त्रिशिरा का अंत श्रीराम के हाथों हुआ।आगे की कथा आप सभी स्वयं जानते है-स्वयं सीता को अग्नि परीक्षा तक देने पड़ी राम,सीता व लक्ष्मण अयोध्या लौटे,नगर वासियों नें दिवाली मनाई थी।आप सभी भी दिवाली मनाने की तैयारी में जुट गए होगें। मै उदास हूँ,कुछ सोचने को मजबुर हो गया हूँ दशहरे की रात से। देश की राजधानी में रामलीला मंचन व मंच से लेकर रावण को जलाने के जशन में समाज की जानी हस्तियों ने ना सिर्फ शिरकत की बल्कि अपने को गौरवान्वित महसुस कर रहें। आज जिसने भी जलाई है क्या उसमें से किसी में मर्यादा पुरुषोत्तम राम के गुण थें क्या।चाहे वे केन्द्रीय मंत्री हो,मुख्य मंत्री हो या राजनीतिक दलों के राजनेता हो,समाजसेवी हो यहाँ तक कई संवैधानिक पदों पर आसीन माननीय-सम्मानीय हो या फिहस्तियाँ हो,कोई भी हो व्यक्ति हो या जिसने भी रावण दहन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया हो % उनको लेकर मेरे मन में बार यह बार एक सबाल पूछ रहा है।यहाँ आपमें से कोई राम है क्या।मुझे तो यहाँ कोई भी राम नही मिला। वही दूसरी तरफ रामलीला आयोजक की व्यवस्था पर भी कई सवालिया निशान उठता है।रामलीला स्थलो की व्यवस्था,मंच के बाहर अव्यवस्थित पाकिंग,अस्थाई रूप से बनाई चारदीवारी पर पान मासला % अन्य विज्ञापन सम्बन्धी विशालकाय पोस्टरों,रामलीला में आने जाने दर्शकों के मन जरूर दुष्प्रभाव सरकारी महकमे के आल अफसरों की उपस्थिति,दिल्ली पुलिस,आदि के साथ लाला जी का फोटो से व्यापार व रुतवा में स्वाभाविक रूप से प्रभाव पड़ता है।आयोजको का ध्यान रामलीला के सरकारी व सार्वजिक स्थान के लिए उपलब्ध कराई जाती है।जहाँ पर केन्द्र सरकार राज्य सरकार,कई स्वायत संस्थानों को रियायती दरों पर बिजली पानी,सुरक्षा व्यवस्था,मैदान उपलब्ध कराई जाती है।आयोजको द्वारा रामलीला मंचन के लिए चंदे से बड़ी रकम उगाई की जाती है। जिसका कोई हिसाब किताब कोई आडिट रिपोर्ट होती है या नही । भगवान ही जाने।एक रामलीला मंच में आयोजकों के द्वारा अपने लिए शीश महल की शान शौकत उपलब्ध थीं हद तो तक हो जब - भगवान श्री राम की प्रतिमा-खुले मैदान में स्थापित किया गया।इतना ही नही - हिन्दु देवी देवताओं की प्रतिमा को जमीन पर कुछ रखी गई थी लाला जी व उनके परिवार व मित्र परिजनों की आलीशान महलों में शीसें अन्दर - खान पान की व्यवस्था,फोटो सुट % प्राईवेट प्रचार प्रसार के लिए कथाकथित झोला छाप आई -माईक लेकर मीडिया कर्मियों का खास इंतजाम था।फोटो सूट आदि व्यवस्था की गई थी।जो कि साधारण व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ रामलीला देखने को आते है। सबसे पहले उन्हें यहाँ प्रवेश के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है।जैसे तैसे वह पहुंचते है फिर आयोजकों के प्राईवेट सिक्युटी गार्ड जिसे आयोजको अपने मित्र व परिजनों की आव भगत - शान शौकत रखी गई है।वे आम जनता को प्रताड़ित करने से नही चुकते है। ऐसे में अपने स्वभाव के मुताबिक तीरक्षी नजर अगर आप को कोई राम दिखे तो हमे भी बतायेगा जरूर। एक बार और अब रामलीला की जगह लालाओं की लीला काफी हद तक हावी हो गई। रामलीला का बदलता स्वरूप समाज व संस्कृति नकुशान कर रही है।एक स्वस्थ्य समाज व हमारे सम्भयता व संस्कृति के लिए खतरे की घंटी है।

-विनोद तकियावाला
स्वतंत्र पत्रकार/स्तम्भकार

राशिफल

आश्विन शुक्ल पक्ष : त्रयोदशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मानसिक दबाव बना रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
उच्चाधिकारियों का दबाव रहेगा। व्यावसायिक स्थिति मध्यम रहेगी। सीने में विकार संभव है। कोर्ट-कचहरी में हार का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
यात्रा से बचें। कार्यों में विघ्न-बाधा होगी। भाग्य में भरोसा करके कोई काम न करें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शारीरिक स्थिति मध्यम रहेगी। कोई रिस्क न लें। चोट-चपेट लग सकती है। वाहन धीरे चलाएं।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
नौकरी चाकरी में कोई रिस्क न लें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ व स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान दें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। पैरों में चोट-चपेट लग सकती है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू तू मैं मैं से बचें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक कर रखें। लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित होगा। गृह में बड़े कलह के संकेत हैं। घर का झगड़ा बाहर न जाए इस बात का ध्यान रखें। स्वास्थ्य मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
स्वास्थ्य मध्यम दिख रहा है। नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है। अपनों के स्वास्थ्य पर भी ध्यान दीजिए।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
धन हानि के संकेत हैं। निवेश करने से बचें। रुपए-पैसे किसी को दे दिए तो लौटने में मुश्किल होगी। जुबान पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
बेचैनी, घबराहट बनी रहेगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान भी मध्यम है। व्यापार लगभग सही रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
अनाप-शनाप खर्च मन को परेशान करेंगे। कर्ज की स्थिति आ सकती है। स्वास्थ्य मध्यम है।

सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के ज़िला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर भाजपा सक्रिय सदस्यता पर्व अभियान को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्यतिथि ज़िला प्रभारी प्रमोद गुप्ता रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने की। बैठक का संचालन जिला महामंत्री योगेश चौधरी ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने कहा कि पहले चरण सदस्यता अभियान की शुरुआत सर्वप्रथम प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी को भाजपा की सदस्यता भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के द्वारा कराई गई। उन्होंने कहा दूसरा चरण 15 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है उसके बाद तीसरा सक्रिय सदस्यता अभियान संगठन महापर्व अभियान 16 अक्तूबर से 25 अक्टूबर तक चलेगा जिसमें जिस कार्यकर्ता ने 200 सदस्य बनाये है वही कार्यकर्ता सक्रिय सदस्य का फ़ार्म लेकर सक्रिय सदस्य बनेगा। सक्रिय सदस्य सभी वर्गों से बनाये जायेंगे।

पूर्व मंत्री एमएलसी नरेन्द्र भाटी ने कहा भाजपा पार्टी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा कार्यकर्ता संगठन में रह कर जन सेवा के कार्य कर पार्टी में आगे बढ़ता है।

जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि 5 सितंबर से अपने ज़िले में सदस्यता अभियान सभी बूथों पर चला सभी कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्यता कराते हुए 8800002024 नम्बर पर मिस्ड कॉल करा कर भाजपा प्राथमिक सदस्य बनाने के कार्य को पूरा कर भाजपा सक्रिय सदस्य बने सदस्यता अभियान सभी वर्गों में चल रहा है सभी वर्गों को भाजपा सक्रिय सदस्य बनाकर भी विशेष रूप से पार्टी से जोड़ा जायेगा।

बैठक में मुख्यरूप से ज़िला महामंत्री योगेश दीपक भारद्वाज योगेश चौधरी धर्मेन्द्र कोरी मनोज गर्ग जिला उपाध्यक्ष सुनील भाटी सेवानन्द शर्मा सतेंद्र नागर मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य ज़िला मंत्री गुरुदेव भाटी डॉक्टर पूजा गंगानिया रवि जिन्दल ज़िला मंत्री सत्यपाल शर्मा इन्द्र नागर अमित पंडित मनीष भाटी संजय भाटी महेश शर्मा सतीश भाटी सरफ़राज़ अली पंकज रावल सचिन शर्मा दिनेश भाटी सुनील शर्मा कोट हरिदत्त शर्मा राजीव सिंघल महेन्द्र नागर मुकेश चौहान श्यामवीर भाटी जितेन्द्र सेन आदि ज़िला इकाई एवं मण्डल प्रभारी मण्डल अध्यक्ष आदि सैकड़ों कार्यकर्ता बैठक में उपस्थित रहे।

आर्यन भाटी और फ़ैज़ का फ़ेडरेसन ऑफ़ इंडिया में चयन हुआ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आगरा रीजनल ग्रेटर नोएडा केंद्रीय विधालय के छात्र स्पोर्ट कैप्टन बदौली निवासी आर्यन भाटी ने पिछले दिनों गाजियाबाद के वायु सेना हिंडन विद्यालय में हुई रीजनल प्रतियोगता जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल प्राप्त कर नेशनल गेम के लिए चुने गये थे और उन्हीं के साथी आगरा रीजनल से मो, फ़ैज़ जोकि लोंग जम्प में गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुने गये थे। दोनों खिलाड़ी उसके बाद अलग अलग समय पर चेन्नई, आगरा, लखनऊ, झांसी आदि टूर्नामेंट में भाग लिया और अपने विद्यालय के नाम मेडल ट्राफी प्राप्त कर अब आगे सितंबर से 12 अक्टूबर तक केरल एर्नाकुलम में चल रही 53 नेशनल ऑल इंडिया केवी चैंपियनशिप प्रतियोगता में मेडल प्राप्त कर आगे गेम्स फ़ेडरेसन इंडिया के लिए चयिनित हुए है।

आर्यन ने बताया कि उनके कोच राजेंद्र जो कि केवी टीचर है उनकी कड़ी मेहनत लगन की वजह से हम मेडल तक पहुंचे है। अब आगे दोनों खिलाड़ी भिन्न-भिन्न टूर्नामेंट में हिस्सा लेने देश के अलग-अलग राज्यो में जाएँगे।

पृष्ठ एक के शेष....

बहराइच में...

50 से ज्यादा पुलिस कर्मी मौके पर मौजूद हैं। इसके अलावा एक धार्मिक स्थल को तोड़ने की कोशिश भी की गई।

उधर, मृतक रामगोपाल मिश्रा के परिजनों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात करने के बाद अंतिम संस्कार किया। मृतक के परिजनों ने सीएम से न्याय का आश्वासन मिलने के बाद ही ये कदम उठाया। उससे पहले लोग सड़क पर शव रखकर हंगामा करते रहे. उन्होंने प्रशासन से मांग की थी कि दोषियों का एनकाउंटर किया जाए और उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जाए।

सुरक्षा को देखते हुए बहराइच को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। हिंसा प्रभावित इलाकों में पुलिस फोर्स के साथ पीएसी और आरएएफ को तैनात किया गया है। पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर तैनात हैं। पुलिस ने 30 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है।

अमर शहीद लेफ्टिनेंट...

पूर्व छात्र उपस्थित थे। इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. लोकेश एम ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि भारत के महान सपूत के वीरतापूर्ण कार्यों को सभी भारतीयों को पता होना चाहिए। वे आज भले ही 74 साल के हो गए हों, लेकिन 21 साल की उम्र में भी वे हमेशा अमर रहेंगे। 2/लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की 17 पूना हॉर्स रेजिमेंट को फक्र-ए-हिंद से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण, पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के अलावा सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी व उनके परिजन भी मौजूद थे।

उद्योग मार्ग को...

सीबीआई से इस परियोजना को शुरू करने के लिए लिखित में अनुमति मांगी है। अब सीबीआई की अनुमति पर ही इस मॉडल रोड का निर्माण निर्भर है।

अधिवक्ता को ससुरालियों...

तथा उसके पिता पर हमला कर उन्हें पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्हें बचाने आई उनकी मां के साथ भी मारपीट की गई। उसके ममरे ससुर सुशील भाटी ने अपनी लाइसेंस से पिस्तौल से फायर कर दिया और पिस्तौल की बट से उसके पिता पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया।

उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत उसके साले विपुल ने उसकी स्विफ्ट कार का शीशा तोड़ दिया और धमकी दी कि वह पुलिस में है और उसे जान से मार देगा। अधिवक्ता के मुताबिक इस घटना में उसे तथा उसके माता-पिता को गंभीर चोट आई। इसके बाद सभी लोग जाते-जाते जान से मारने की धमकी देकर चले गए और कहा कि उसे और उसके परिवार को दहेज के झूठे मुकदमे में भी जेल कराएंगे। उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मलखान सिंह, विनीत, विपुल, संतोष, जयकुमार, सुशील भाटी, संतोष, विजय कुमार के लड़के तथा अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

भाजपा का....

अब सक्रिय सदस्य बनाने के बाद मंडलों के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। मंडलों के गठन बाद अध्यक्ष पद के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी।

बैंकट हॉल में...

के बाहर किनारे पर लगे दो काउंटर पर लोगों को शराब परोसने का कार्य किया जा रहा था। शराब काउंटर का निरीक्षण करने पर पता चला कि वहां लोगों को हरियाणा राज्य की शराब पिलाई जा रही थी।

आबकारी विभाग की टीम ने शराब पिला रहे दीपक व अमन सिंह को दबोच लिया। तलाशी लेने पर यहां से हरियाणा राज्य की बियर, व्हिस्की व स्कॉच की बोतल बरामद हुई। पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम दीपक पुत्र कालीचरन व अमनदीप सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह बताया। आबकारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि बैंक्विट हॉल के संचालक ने शराब परोसने का लाइसेंस लिया हुआ है। उत्तर प्रदेश राज्य के इस लाइसेंस पर लोगों को अवैध रूप से हरियाणा की शराब पिलाई जा रही थी। दोनों आरोपियों को थाना सूरजपुर पुलिस के हवाले कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

मकान में चोरी...

देर रात्रि के समय चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया। घटना के समय सभी परिजन घर में सोए हुए थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेज को भी खंगाल कर चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

डबल रेट पर...

विरोध किया तो संचालक ने वाइन शॉप में मौजूद सेल्समेन व साथियों को बुला लिया। इन लोगों ने आते ही उसके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान सभी आरोपी जबरन उसे ठेके के भीतर ले गए और वहां भी उसके साथ बुरी तरह से मारपीट की गई।

आरोपियों ने ठेके के भीतर उसे पाइप, डंडों से पीटा जिससे उसे गंभीर चोटे आई। इसके बाद आरोपियों ने उसे सड़क किनारे फेंक दिया। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

किसानों का कलेक्ट्रेट पर हल्ला बोल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर पर किसान सभा, किसान परिषद, जय जवान जय किसान मोर्चा, के आह्वान पर हजारों की संख्या में किसानों ने मोजर बेयर गोल चक्कर पर इकट्ठे होकर कलेक्ट्रेट के लिए मार्च किया हजारों महिलाएं भी शामिल रही। हजारों की संख्या में किसान पक्का मोर्चा लगाकर कलेक्ट्रेट का घेराव किया। किसान हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट के सार्वजनिक होने तक कलेक्ट्रेट पर पक्का मोर्चा बनाकर रहेंगे।

किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ. रूपेश वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि हाई पावर कमेटी का गठन नए कानून को लागू करने, 10 प्रतिशत प्लाट, आबादियों के निस्तारण एवं उन मुद्दों पर सिफारिशों देने के लिए 21 फरवरी 2024 को किया गया था। 31 अगस्त को कमेटी ने अपनी सिफारिशें दाखिल की सरकार सिफारिश पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें दबाकर बैठ गई। किसान परिषद के सुखबीर खलीफा ने संबोधित करते हुए कहा कि किसान तब तक पक्का मोर्चा लगा कर रहेंगे जब तक रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होती। एनटीपीसी के किसानों के संबंध में डीएम महोदय की अध्यक्षता में कमेटी बनी है अभी तक उसने रिपोर्ट सीएमडी को नहीं दी है। सुनील फौजी ने कहा कि नए कानून को जानबूझकर जिले में लागू नहीं किया गया है। सर्किल रेट का रिवीजन नहीं किया गया है, कमेटी की रिपोर्ट में नए कानून को लागू करने का एजेंडा पहले से शामिल है, इसलिए कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी अति आवश्यक है। बृजेश भाटी ने कहा कि हमारी समस्या समय 1989 से लंबित है कमेटी को रेफर की गई है, इसलिए कमेटी की सिफारिशों का इंतजार बेसब्री से है।

किसानों का हल्ला बोल आंदोलन कलेक्ट्रेट के घेराव और अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन को समर्थन देने आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रविंदर भाटी, आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष सुशील प्रधान समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्र प्रधान किसान यूनियन अजगर के हरवीर नगर और नरेश चपरगढ़, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की जिला प्रभारी आशा यादव, सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, किसान शक्ति के जितेंद्र भाटी, बेरोजगार सभा के विजयपाल ने समर्थन दिया। यतेंद्र नागर, विकास नागर, एनटीपीसी के नेता अनूप राघव, सिस्टम सुधार संगठन के अंशुमन ठाकुर, अजब सिंह नेताजी, पप्पू ठेकेदार, संयोजक वीर सिंह नागर, उदल आर्य भगत सिंह चेची, अशोक भाटी शिशांत भाटी यतेंद्र भाटी, यतेंद्र मैनेजर, मुकेश यादव रंगलाल भाटी, मुकेश खेड़ी, सुशील सुनपुरा, नरेश नागर, सुरेंद्र भाटी, अभय भाटी, कंवरपाल सिंह, मंगेश त्यागी, जोगेंद्री देवी, तिलक देवी, ममता देवी, रईसा बेगम आदि लोग मौजूद रहे।

विकलांग युवक को अज्ञात वाहन ने कुचला, ई-रिक्शा सवार की हादसे में मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक विकलांग सहित दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गए। सेक्टर-5 की जेजे कॉलोनी में रहने वाला (35 वर्षीय) अमित दोनों पैरों से विकलांग था। 13 अक्टूबर की शाम को वह कॉलोनी के बाहर खड़ा हुआ था। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर स्थिति में अमित को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में मृतक की मां कमला ने थाना फेस वन में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

वहीं थाना दादरी क्षेत्र में तेज गति में आ रही कार ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि उसका भाई घायल हो गया। नई आबादी दादरी निवासी शमशाद व अयूब अपने ई रिक्शा से दादरी से सिकंदराबाद जा रहे थे। ई रिक्शा शमशाद चला रहा था। जैसे ही इनका ई रिक्शा वी जी आई कॉलेज के पास पहुंचा तो तेज गति में आ रही एक कार ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। इस हादसे में ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया और उसके दोनों बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को राहगीरों ने अशोक अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मोहान स्वरूप अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान अगले दिन अयूब की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी चालकों की तलाश कर रही है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. JHS-N-W-61-24 दिनांक 09.10.2024

निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता, उत्तर मध्य रेल झाँसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

कार्य का नामः प्रोवीजन ऑफ़ एस & टी वर्क इन कनेक्शन विथ दी वर्क ऑफ़ प्रोवाइडिंग एंड इरेक्टिंग "डब्ल्यू" मेटल कैटल बैरियर अलोंग द ट्रैक टू प्रेवेन्ट सीआरओ इन बीना-वीजीएलजे सेक्शन ऑफ़ झाँसी डिवीजन।

कार्य लागत लगभग	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा खुलने की तिथि
₹ 15723971.34	₹ 228600/-	Nil	04.11.2024 Time 15.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 12 माह। • निविदा दिनांक 04.11.2024 को 15.00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T) पर देखें। 1791/24 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

दाद, खाज, खुजली का आयुर्वेदिक मलहम

इचकू®

आयुर्वेदिक मलहम

24x7 Helpline: 0171-3055288

• असर पहले दिन से
• न चिपचिप, न दाग धब्बे

Office of the Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar

Notice for e-Procurement Notice

Letter No.-1713/N.P.P.D./E-Tender/2024-25 Dated:- 14-10-2024

The Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar invites the S.F.C. / Body Fund Grant percentage rate bids through **e-tendering system** from the eligible and approved Contractors registered with autonomous body/Public Sector Department/ State Government/Central Government or any government department. The Bidder may submit bids for any or all of the works. Period of availability of Bidding Documents on website **https://etender.up.nic.in.** From Date- 15-10-2024 To Date-05-11-2024. The Bids will be opened online by the authorized officer at the appointed time Date- 06-11-2024 Time-12:30 PM. Bid security & Tender Fees will be only in the form of R.T.G.S./ N.E.F.T. of a scheduled HDFC Bank, Dadri, Gautambuddha Nagar, A/C No- 50100065525653, IFSC Code: HDFC0000927 pledged in favor of concerned Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar.

Name of works as per table.

S. No	Name of work	Total estimated cost (in Lakh)	Bid security (EMD) in Lakh	Cost of Bid document including GST (in Rupees)	Period of completion on including rainy season
1	2	3	4	5	6
1	नगर पालिका परिषद दादरी क्षेत्रान्तर्गत वार्ड सं0-19 में स्थित अस्थायी गौशाला में सी0सी0 व नाली निर्माण तथा खोर एवं टीन शेड की मरम्मत का कार्य।	39,99,000.00	4,00,000.00	4,720.00	06 Month

(Umesh Sharma) Clerk Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar

(Jaipal Singh) Junior Engineer, Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar

(Shalini Gupta) Executive Officer Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar

(Geeta Sharma) Chairman Nagar Palika Parishad, Dadri, GB Nagar

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

बेहतर वित्तीय यात्रा के लिए दिवाली से लें सीख, निवेश को अनुष्ठान की तरह आदत बनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल देशभर में हर किसी को सबसे बड़े त्योहार दिवाली का इंतजार रहता है। यह एक ऐसा अवसर होता है, जो लोगों को इसके लिए महीनों पहले से तैयारी करने पर मजबूर कर देता है। रोशनी का त्योहार समृद्धि के बारे में तो है ही, यह कुछ वित्तीय सबक लेने का अवसर भी है। अधिकांश घर दिवाली से ठीक पहले सफाई में लग जाते हैं, कई लोग इसे रंगवाने के अलावा मरम्मत भी कराते हैं। दिवाली की तैयारी बिल्कुल वैसे ही की जाती है, जैसे आप पर्सनल फाइनेंस के लिए करते हैं। बचत या निवेश के बारे में सोचने से पहले आप यह सोचें कि अपने फाइनेंस से भविष्य में क्या उम्मीद करते हैं। इसका अर्थ यह है कि भविष्य के लिए अपने वित्तीय लक्ष्य बनाएं। इनमें कम और लंबे समय के लक्ष्य शामिल होने चाहिए। अल्पावधि में नए साल की छुट्टियों की योजना और सेवानिवृत्ति व लंबी अवधि में कर्ज मुक्त होने जैसी चीजें शामिल होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि हर लक्ष्य से मेल खाने के लिए स्पष्ट समय और राशि आपके पास है। यदि आपके पास बचत है तो यह बैंक और अन्य प्रकार के जमा में होनी चाहिए। निवेश भी विभिन्न प्रकार के साधनों में होना चाहिए। इनमें म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार भी हो सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि पैसे को ऐसे साधनों में लगाए हैं जो आपके निवेश उद्देश्य के साथ आपके द्वारा उठाए जा सकने वाले जोखिम से मेल खाते हों। दिवाली का एक पहलू लक्ष्मी पूजा है। इस पर अक्सर कम चर्चा होती है, लेकिन हर कोई समृद्धि के लिए इसका पालन करता है। पूजा के लिए शाम का समय होता है जिसका पालन किया जाता है और जो सही समय पर ही होता है। आप भी सही समय का इंतजार करें।

ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ ट्राई की कार्रवाई, कीमतों में कटौती से सब्सिडी पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ नई नियामकीय कार्रवाई हो रही है। इसके तहत ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कंपनी द्वारा अचानक कीमत घटाए जाने पर चिंता जताई है।

कीमत में कटौती- ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी बॉस सेल के तहत एस1 एक्स 2 केडब्ल्यूएच मॉडल की कीमत 74,999 रुपए से घटाकर 49,999 रुपए कर दी है।

एआरएआई की चिंता- एआरएआई ने ओला को 8 अक्टूबर को भेजे गए एक मेल में मूल्य में कटौती के बारे में सूचित न किए जाने को लेकर चिंता व्यक्त की है। इस तरह की चूक पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव योजना के तहत सब्सिडी पाने की पात्रता को प्रभावित कर सकती है।

ओला ने एआरएआई को अपने मॉडल की एक्स-फैक्ट्री कीमत 75,001 रुपए बताई है, जिसके आधार पर 10,000 रुपए की सब्सिडी का प्रमाण पत्र दिया गया है।

यदि कीमत 49,999 रुपए कर दी जाती है, तो सब्सिडी घटकर 7,500 रुपए रह जाएगी, क्योंकि 15 फीसदी की सीमा कम एक्स-फैक्टरी कीमत पर लागू होती है।

पर्ल ग्रुप की पोंजी स्कैम के निवेशकों के चेहरे पर खुशी आई

▶▶ ईडी ने निवेशकों की रकम वापस करने का अभियान शुरू किया है ▶▶ यह पोंजी स्कैम करीब 50 हजार करोड़ रुपये का है

नई दिल्ली, एजेंसी। 50 हजार करोड़ रुपये के पर्ल ग्रुप पोंजी स्कैम मामले में अब 10 साल बाद निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटनी शुरू हो गई है। इस स्कीम में फंसे करीब 6 करोड़ निवेशकों को प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी धनराशि वापस करने के लिए अभियान शुरू किया है।

ईडी ने कहा कि उसने पर्ल एग्रो ग्रुप की 700 करोड़ रुपये की कुर्क की गई संपत्तियों की डिटेल जस्टिस लोढ़ा कमिटी के साथ शेयर की है। लोढ़ा कमिटी का गठन सुप्रीम कोर्ट ने किया था। यह कमिटी जब्त की गई संपत्तियों के निपटान और पीड़ितों को धनराशि वापस करने का काम करती है।

सेबी ने लगाया था बैन

पर्ल एग्रो ग्रुप ने 18 वर्षों में 59 मिलियन (5.9 करोड़) निवेशकों से 49,100 करोड़ रुपये लिए थे। यह रकम अवैध रूप से ली गई थी। सेबी ने इस ग्रुप पर इस प्रकार से पैसा इकट्ठा करने को लेकर बैन लगा दिया था। इस मामले की जांच एक दशक पहले उस समय शुरू हुई थी जब सीबीआई ने फरवरी 2014 में पहली बार एफआईआर दर्ज की थी। ईडी की जांच में पता चला कि पर्ल ग्रुप के प्रमोटरों ने एक पोंजी स्कीम शुरू की थी। इसमें उन्होंने निवेशकों को प्लॉट आवंटित करने का वादा किया था। हालांकि, रिटर्न देने के बजाय प्रमोटरों ने कोलकाता में रजिस्टर्ड फर्जी संस्थाओं को धनराशि ट्रांसफर कर दी। फिर इन कंपनियों से नकदी के रूप में पैसा निकाला गया और हवाला चैनलों का उपयोग करके दुबई भेजा गया। इसके बाद इन पैसे को होटल और रिजॉर्ट खरीदने के लिए कई देशों में निवेश किया गया।

जांच में पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में संपत्ति खरीदने में बड़ा निवेश किया गया था। 2018 में श्वष्ठ ने पीएसीएल और उसके प्रमोटर निर्मल सिंह भंगू की ऑस्ट्रेलिया में 462 करोड़ रुपये की दो संपत्तियां जब्त कीं। चार साल बाद भारत में भंगू के ग्रुप की संस्थाओं और सहयोगियों से जुड़ी 244 करोड़ रुपये की और संपत्तियां जब्त की गईं। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

कई राज्यों में हुई तलाशी

पिछले हफ्ते ईडी ने इस राशि का पता लगाने के लिए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और उत्तराखंड में 44 स्थानों पर तलाशी ली। हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक श्वष्ठ ने गुरुग्राम में स्क्रू ग्रुप के प्रोजेक्ट स्क्रू पर्ल, स्क्रू सिटी, स्क्रू प्राइम के घर खरीदारों को पहले लॉट में 78 फ्लैट लौटाना शुरू कर दिया है, जिनकी कीमत 20 करोड़ रुपये से अधिक है।

लाखों का पैकेज छोड़ा, मॉडलिंग... फिर शुरू किया देसी काम, अब करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली- बिहार की आस्था सिंह ने 18 लाख की नौकरी छोड़कर किसानों की जिंदगी बदलने का बीड़ा उठाया है। मॉडलिंग को अलविदा कहकर उन्होंने ग्रामश्री किसान नाम से अपना कारोबार शुरू किया। यह आज 3 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर तक पहुंच गया है। आस्था बिहार के किसानों को खेती, पशुपालन और मछली पालन का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बना रही हैं। आइए, यहां उनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

आस्था सिंह पटना की रहने वाली हैं। उनकी शादी साल 2010 में हुई थी। पति विवेक कुमार रेलवे में इंजीनियर हैं। 12वीं के बाद से ही आस्था ने पढ़ाई के साथ मॉडलिंग भी शुरू कर दी थी। पुणे से इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने एमबीए किया। इसके बाद कई नामी कंपनियों में काम किया। ओयो में सिटी हेड के पद पर रहते हुए उन्हें 18 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिलता था। इससे पहले आस्था भारती इंफ्राटेल लिमिटेड में एनर्जी मैनेजर और टाटा टेलीसर्विसेज में इंजीनियर रह चुकी थीं। साल 2019 में उन्होंने बिहार सरकार के पशु और मत्स्य संसाधन विभाग में प्रोजेक्ट यूनिट कंसल्टेंट का पद संभाला।

मुंबई में फोटोशूट के बाद आस्था का चयन मॉडलिंग प्रतियोगिता के लिए भी हुआ। लेकिन, परिवार की रजामंदी न मिलने के कारण आस्था फिलीपींस नहीं जा सकीं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। फरि आस्था ने किसानों की जिंदगी बदलने का दृढ़ निश्चय किया। जून 2019 में उन्होंने ग्रामश्री किसान की शुरुआत की। उन्होंने सबसे पहले एक यूट्यूब चैनल शुरू किया। यहां खेती-बाड़ी और पशुपालन से जुड़े वीडियो अपलोड किए। साल 2020 में उनका मोबाइल एप लॉन्च हुआ। 2021 में पटना में ग्रामश्री किसान का पहला सेंटर खोला गया। आज ग्रामश्री किसान के बिहार के 26 ब्लॉक में सेंटर हैं। इससे 6 हजार से ज्यादा किसान जुड़े हुए हैं। पटना स्थित ग्रामश्री किसान का सेंटर 3 एकड़ में फैला हुआ है। यहां किसानों को बकरी, गाय, मुर्गी और मछली पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान रहने, खाने और आने-जाने की सुविधा मुफ्त दी जाती है। इसके अलावा, किसानों को पशुओं का चारा, दाना और बाजार उपलब्ध कराने में भी मदद की जाती है। ग्रामश्री किसान के पोल्ट्री फार्म में 1000 मुर्गियां हैं, जबकि शुरुआत सिर्फ 100 मुर्गियों से हुई थी। इसी तरह, 2 गायों से शुरू हुआ आस्था का डेयरी फार्म आज 10 गायों वाला बन चुका है। आस्था के सेंटर में 50 बकरियां भी हैं। ग्रामश्री किसान को भारत और बिहार सरकार से मान्यता प्राप्त है। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए उन्होंने अपनी 27 लाख रुपये की जमा पूंजी लगाई थी। उनकी पार्टनर फर्म ने 30 लाख रुपये का निवेश किया। इसके अलावा, बिहार सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी के तहत 10 लाख रुपये और भारत सरकार से 24 लाख रुपये की ग्रांट मिली।

11 साल में तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गया अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। जीवन के आधुनिक होने के बीच लोगों की भागदौड़ भी बढ़ गई है। इस बीच घरों में प्रोसेस्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का दिनचर्या में कैसे घुसपैठ हो गई है, इसका पता ही नहीं चला है। यदि आप भी इसके आदि हैं, तो इससे तौबा कर लें। क्योंकि इससे न सिर्फ आपके घर का बजट बिगड़ रहा है बल्कि आपको खतरनाक बीमारियों के बीच भी धकेल रहा है। अभी एक रिपोर्ट आई है कि डायबिटीज के लगातार बढ़ते मामलों कसा सीधा संबंध अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से है। लेकिन इसका बाजार है कि बढ़ ही रहा है। साल 2022 में तो इसका बाजार बढ़ कर 2500 करोड़ रुपये के पार चला गया है।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड साइंसेज एंड न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक नए अध्ययन से पता चलता है कि डीप फ्राई, बेक्ड और ग्रिल किए गए अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड प्रोडक्ट्स (एजीई) से भरपूर होते हैं। यह सूजन का कारण बनते हैं और डायबिटीज सहित कई बीमारियों का खतरा पैदा करते हैं। चेन्नई स्थित मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन (एमडीआरएफ) के डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. वी. मोहन के हवाले से न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने खबर दी है कि भारत में डायबिटीज से पीड़ित लोगों की संख्या 101 मिलियन है। साथ ही 5 से 19 वर्ष की आयु के 10 प्रतिशत से अधिक बच्चे प्री-डायबिटिक हैं। इनमें से अधिकतर का कारण अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड है।

भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इंडियन काउंसिल फोर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनोमिक रिलेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2011 में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का बाजार 723 अरब रुपये का था। यह 2016 में करीब दूना होकर 1,488 करोड़ रुपये का हो गया। साल 2021 में तो यह बार तीन गुने से भी ज्यादा बढ़ कर 2,535 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस साल कुल प्रोसेस्ड फूड का बाजार तो बढ़ कर 6,000 करोड़ रुपये के भी पार चला गया। अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स को कई श्रेणियों में विभाजित किया जाता है। इसमें चॉकलेट और शुगर कंफेक्शनरी, साल्टी स्नैक्स, बीवरेजेज, रेडीमेड और कंवीनिएंस फूड्स और ब्रेकफास्ट सीरियल्स शामिल हैं। देखा जाए तो इस समय भारतीय परिवारों में व्हाइट ब्रेड, स्वीटेंड ब्रेकफास्ट सीरियल्स, फ्रॉजन फूड, एनर्जी ड्रिंक, फ्लेवर्ड पोटेटो चिप्स, सोडा, फ्लेवर्ड कैंडी बार, ब्लेंडेड कॉफी ड्रिंक, फ्रायड चिकन, मेस्ड पोटैटो फ्लेक्स आदि का सेवन खूब बढ़ रहा है। ये सभी अल्ट्रा प्रोसेड फूड ही हैं। डॉ. मोहन बताते हैं जब हम खाद्य पदार्थों को तलते या ग्रिल करते हैं तो इससे ऑक्सीडेटिव पैदा होता है जो सूजन को बढ़ावा देता है। शरीर में पुरानी सूजन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और यहां तक कि कुछ प्रकार के कैंसर से जुड़ी होती है। अत्यधिक ट्रांस वसा वाले फूड स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

टमाटर, प्याज और आलू ने बिगाड़ा बजट, आसमान पर पहुंची कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरात्रि खत्म होने के बाद भी टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में कमी नहीं आई है। इन्होंने आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। खुदरा बाजार में जहां आलू 40 रुपये किलो मिल रहा है तो वहीं टमाटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलो पार पहुंच गई है। प्याज के दाम भी 60 रुपये किलो पर हैं। ऐसे में इन तीनों सब्जियों ने ही देश की महंगाई को प्रभावित कर दिया है।

टमाटर, प्याज और आलू की वजह से महंगाई दर में भी इजाफा हुआ है। नीति निर्माताओं के लिए खाद्य पदार्थों की बढ़ाई महंगाई एक चुनौती रही है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 45.9 प्रतिशत। बता दें कि आपूर्ति संबंधी झटके समग्र खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों को प्रभावित करते हैं। हाल के महीनों में टीओपी की कीमतों में काफी उछाल आया है। खुदरा खाद्य और पेय पदार्थों में टीओपी की हिस्सेदारी 4.8 प्रतिशत और ओवरऑल सीपीआई में 2.2 प्रतिशत है, लेकिन उनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव खुदरा मुद्रास्फीति को प्रभावित करता है।

इनकी कीमतें बढ़ने के कई कारण हैं। पहला मौसम, भंडारण की समस्याएं और तीसरा आपूर्ति संबंधी समस्याएं। कई बार मौसम की मार के कारण इनकी फसल प्रभावित होती है। इससे ये जल्दी खराब हो जाते हैं। वहीं दूसरी ओर कोल्ड स्टोर की कमी और दूसरे कारण से इनका भंडारण सही नहीं हो पाता। ऐसे में ये जल्दी खराब हो जाते हैं। वहीं फसल होने के बाद इनकी आपूर्ति को लेकर भी कई बार समस्याएं होती हैं।

सप्लाई चेन का बड़ा असर

इन सब्जियों की सप्लाई चेन में गड़बड़ी भी कीमतों में उतार-चढ़ाव का एक महत्वपूर्ण कारक है। स्टडी में पता चला है कि जिस मौसम में इनकी पैदावार कम होती है, उस समय इनकी कीमत बढ़ जाती है। वहीं जिस मौसम में पैदावार ज्यादा होती है, उस समय कीमत कम होती है। कई बार किसानों को अपनी फसल फेंकनी भी पड़ जाती है क्योंकि इन्हें खरीदने वाला कोई नहीं होता। उतार-चढ़ाव वाली मांग-आपूर्ति के कारण भी कीमतों पर असर पड़ता है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि टमाटर, प्याज और आलू के प्रोडक्शन में तेजी से वृद्धि हुई है। साल 2022-23 में टमाटर का प्रोडक्शन 20.4 मिलियन मीट्रिक टन , प्याज का प्रोडक्शन 30.2 एमएमटी और आलू का प्रोडक्शन 60.1 एमएमटी होने का अनुमान है। भारत अब दुनिया में टमाटर और आलू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इसने दुनिया में प्याज के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में चीन को भी पीछे छोड़ दिया है और 2022 में वैश्विक उत्पादन में 28.6 प्रतिशत का योगदान दिया है।

क्या अब कीमत कम होगी

सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक अगले कुछ दिनों में टमाटर की कीमत कम हो सकती है। 100 रुपये किलो पार कर चुका टमाटर 50 से 60 रुपये प्रति किलो पर आ सकता है। वहीं प्याज और आलू की कीमत में भी गिरावट देखने को मिलेगी। इसका कारण है कि बाजार में आलू और टमाटर की नई फसल आनी शुरू होगी।

करन जौहर की धर्मा प्रोडक्शन में हिस्सेदारी लेगी रिलायंस

मुंबई एजेंसी। दोस्ताना, अग्निपथ, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, ये जवानी है दीवानी, टू स्टेस्ट्स, बदरीनाथ की दुलहनिया, राजी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी...। ये कुछ फिल्में हैं, जिनमें एक समानता है। ये फिल्में एक ही प्रोडक्शन हाउस ने बनाई है। यह है धर्मा प्रोडक्शंस। अब खबर आई है कि देश के सबसे अमीर मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीद सकती है।

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज बॉलीवुड निर्माता और निर्देशक करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। माना जा रहा है कि इस सौदे से ऑयल से लेकर टेलीकॉम सेक्टर में कारोबार करने वाली इस कंपनी की भारतीय कंटेंट प्रोडक्शन इंडस्ट्री में स्थिति मजबूत होगी। इस सौदे में किसकी कितनी हिस्सेदारी होगी, इसका पता अभी नहीं चल पाया है।

करन जौहर कोशिश में हैं

इस रिपोर्ट के मुताबिक करण जौहर पिछले कुछ समय से धर्मा में अपनी हिस्सेदारी बेचने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन वैल्यूएशन को लेकर मतभेदों के कारण यह सौदा हो नहीं रहा है। उल्लेखनीय है कि धर्मा में 90.7 प्रतिशत हिस्सेदारी करण जौहर और 9.24 प्रतिशत हिस्सेदारी उनकी मां हीरू की है। इसने अग्निपथ, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, ये जवानी है दीवानी, टू स्टेस्ट्स, बदरीनाथ की दुलहनिया, राजी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी समेत कई लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्मों का निर्माण किया है।

ऐसा कहा जा रहा है कि हिंदी फिल्म उद्योग के सामने इस समय व्यापक वित्तीय चुनौतियां हैं। फिल्मों का प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ रहा है। थिएटर में दर्शकों की संख्या लगातार घट ही रही है। ऊपर से ओवर-द-टॉप प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता बढ़ रही है। इसी कारण उपभोक्ताओं की पसंद में बदलाव शामिल हैं। अतीत में, रिलायंस ने बालाजी में अल्पमत हिस्सेदारी हासिल की थी। धर्मा के साथ भी इसी तरह की व्यवस्था की जा सकती है। संभावित हिस्सेदारी खरीद से रिलायंस के कंटेंट प्रोडक्शन पोर्टफोलियो को बढ़ावा मिलेगा, जिसमें वर्तमान में जियो स्टूडियो, वायकॉम 18 स्टूडियो, कोलोसियम मीडिया और बालाजी में अल्पमत हिस्सेदारी शामिल है। इस बारे में रिलायंस और धर्मा ने श्वञ्ज के सवालों का जवाब नहीं दिया है। पहले बताया गया था कि धर्मा बहुलांश हिस्सेदारी बेचने के लिए उद्यमी संजीव गोयनका द्वारा समर्थित सारेगामा के साथ बातचीत कर रही है। 8 अक्टूबर को बीएसई फाइलिंग में सारेगामा ने कहा कि उसके पास रिपोर्ट करने के लिए कोई महत्वपूर्ण अपडेट नहीं है।

क्या है धर्मा की आमदनी

धर्मा प्रोडक्शंस ने वित्त वर्ष 23 में राजस्व में लगभग चार गुना वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वर्ष के 276 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,040 करोड़ रुपये हो गई। हालांकि, कंपनी के नवीनतम उपलब्ध वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, टॉफ़लर से प्राप्त 1,028 करोड़ रुपये के खर्च के कारण शुद्ध लाभ 59 प्रतिशत गिरकर 11 करोड़ रुपये रह गया।

अस्पताल में इलाज कराना अब और महंगा हुआ

ऑपरेशन के लिए सर्ज प्राइस के नाम पर काटी जा रही जेब

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर कोई शख्स किसी अस्पताल में इलाज कराने जा रहा है तो उसे आम दिनों के मुकाबले ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। दरअसल, काफी अस्पताल मरीजों से सर्ज प्राइस ले रहे हैं। अगर उस अस्पताल में पहले से ज्यादा मरीज भर्ती हैं तो नए मरीज को इलाज के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। यह ठीक इस प्रकार है जैसे हवाई जहाज की टिकट में होता है।

हवाई जहाज में जैसे-जैसे पैसेंजर की संख्या बढ़ती है, टिकट महंगे होते जाते हैं। यात्रा से एक महीने या इससे पहले टिकट बुक कराने पर सस्ती टिकट मिलती है। अगर आपको कल ही जाना है तो टिकट महंगी हो जाएगी। क्योंकि फ्लाइट में यात्रियों की संख्या बढ़ रही होगी। यही तरीका अस्पताल अपना रहे हैं। इस तरीके से मरीजों के साथ बीमा कंपनियों को भी परेशानी हो रही है।

हेल्थ सेक्टर में एक नया चलन देखने को मिल रहा है। अगर किसी मरीज का कोई ऑपरेशन होना है और ऑपरेशन थिएटर उस समय लगभग भरे हुए हैं तो अस्पताल ऑपरेशन थिएटर के लिए पीक चार्ज या सर्ज चार्ज (एक्स्ट्रा चार्ज) ले रहे हैं।

जैसे-जैसे ऑपरेशन थिएटर भरेंगे, सर्च चार्ज बढ़ता जाएगा। इससे इलाज में अतिरिक्त खर्च आ रहा है। इससे मरीजों और इंश्योरेंस कंपनियों को बढ़ी हुई लागत उठानी पड़ रही है। ऐसे में बीमा कंपनियों जो पहले पूर्वानुमानित लागतों के साथ व्यापक पैकेज पेश करती थीं, अब अनबंडलिंग की पेशकश कर रही हैं। हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक इलाज का खर्च साल-दर-साल बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें महंगाई की दर सामान्य महंगाई की दर के मुकाबले 14 फीसदी से ज्यादा बढ़ रही है। वहीं अस्पताल के ऐसे नए नियम इस इलाज को और महंगा बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे नए नियमों के कारण इलाज के खर्च में करीब 20 फीसदी की तेजी आ रही है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि रुटीन प्रोसिजर जैसे लेप्रोस्कोपी या हिस्टेरेक्टोमीज भी अब अस्पतालों के नए नियमों में जुड़ गए हैं। यानी इनमें भी पीक चार्ज लागू हो रहा है।

दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11 घोषित

स्टोक्स-पॉट्स टीम में, वोक्स-एटकिंसन बाहर

मुल्तान (एजेंसी)। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए टीम की घोषणा कर दी है। फिट हो चुके इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स ने मंगलवार से मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट के लिए क्रिस वोक्स और गस एटकिंसन की जगह इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में जगह बनाई है। मैच 15 अक्तूबर से खेला जाएगा।

स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इंग्लैंड के पिछले चार टेस्ट मैचों से बाहर रहने के बाद वापसी कर रहे हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि स्टोक्स अपनी चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और वे स्टैंड-इन कप्तान ओली पोप से कप्तानी की जिम्मेदारी वापस लेंगे। इस बीच अगस्त के अंत में श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में खेलने के बाद पॉट्स पहली बार टीम में लौटे हैं। इसका मतलब यह भी है कि एटकिंसन को इंग्लैंड के घरेलू समर में पदार्पण करने के बाद पहली बार टेस्ट टीम से बाहर रखा गया है। ब्रायडन कार्से इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी लाइन-अप में शामिल होंगे जबकि जैक लीच और शोएब बशीर, जो रूट की अंशकालिक ऑफ स्पिन के साथ, स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालना जारी रखेंगे। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने मुल्तान में पहले टेस्ट की दूसरी शाम को अंगूठे की हड्डी में चोट से उबरने के बाद ग्यारह में अपना स्थान बरकरार रखा है, जिसे इंग्लैंड ने एक पारी और 47 रनों से जीता था।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में चौथे नंबर पर लौटेंगे स्मिथ

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में अपने पसंदीदा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के इस साल संन्यास लेने के बाद से स्मिथ पारी का आगाज

कर रहे हैं। उन्होंने नई भूमिका में दूसरे ही टेस्ट में नाबाद 91 रन बनाए लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने चार पारियों में कुल 51 रन ही बनाए।

बेली ने कहा, 'पैट कमिंस, एंड्रयू मैकडोनाल्ड और स्टीव स्मिथ से लगातार बात हो रही है। स्टीव ने पारी की शुरूआत की बजाय नीचे उतरने की इच्छा जताई है। पैट और एंड्रयू ने पुष्टि की कि वह इस सत्र में बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतरेगा।% भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा।

कोहली में है रनों की भूख, हर मैच के बाद आकलन सही नहीं : गंभीर

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर पिछले कुछ अर्से में विराट कोहली के खराब फॉर्म से चिंतित नहीं है और उन्होंने कहा है कि इस स्टार बल्लेबाज में रनों की उतनी ही भूख है जितनी पदार्पण के समय थी लिहाजा हर मैच के बाद आकलन करना सही नहीं है।

कोहली ने पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक (सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2023 में 76 रन) लगाया। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले उनका फॉर्म में लौटना जरूरी है चूंकि इसके बाद भारतीय टीम को पांच टेस्ट के दौरे के लिये आस्ट्रेलिया जाना है।

गंभीर ने यहां पत्रकारों से कहा, 'विराट को लेकर मेरी सोच एकदम स्पष्ट है कि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर है। उसने इतने साल से इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। रनों

को लेकर उसकी भूख वैसी ही है जैसी पदार्पण के समय थी। उन्होंने कहा, 'यही भूख उसे विश्व स्तरीय क्रिकेटर बनाती है। मुझे यकीन है कि वह इस श्रृंखला और आस्ट्रेलिया में भी रन बनाएगा।

गंभीर ने कहा कि किसी खिलाड़ी का आकलन एक खराब मैच या श्रृंखला के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हर मैच के बाद आकलन सही नहीं है। अगर आप हर मैच के बाद ऐसा करने लगे तो यह उनके लिये सही नहीं होगा। यह खेल है और विफलता का सामना करना ही होता है। अगर हमें नतीजे अनुकूल मिल रहे हैं तो चिंता की कोई बात नहीं है।

उन्होंने कहा, 'रोज कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता। हमारा काम खिलाड़ियों का समर्थन करते रहना है। मेरा काम सर्वश्रेष्ठ 11 का चयन करना है, किसी को बाहर करना नहीं। हमें आठ टेस्ट लगातार खेलने हैं और सभी की नजरें अच्छे प्रदर्शन पर है।

हॉकी इंडिया लीग नीलामी

सबसे महंगे खिलाड़ी बने हरमनप्रीत सिंह

भारतीय हॉकी ओलंपिक पदक विजेता कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मौजूदा हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बनने पर उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया व्यक्त की और उन्होंने युवाओं के लिए लीग के महत्व को भी बताया। हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक वीडियो में हरमनप्रीत ने कहा, हरमनप्रीत सिंह इस टीम में शामिल हैं। मैं वास्तव में उत्साहित हूं क्योंकि मुझे पंजाब टीम ने चुना है। हमारी टीम का नाम सूरमा हॉकी क्लब है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि एचआईएल वापस आ रही है। यह हमारे युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अच्छा अवसर है और हॉकी का भविष्य उज्जवल है। पंजाबी आएंगे ओए (पंजाबी यहां हैं)।

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के ओलंपिक पदक विजेता कप्तान हरमनप्रीत सिंह की सेवाएं हॉकी इंडिया लीग के आगामी सीजन के लिए सूरमा हॉकी क्लब ने 78 लाख रुपए में हासिल कीं, जिससे वह लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। शानदार ड्रैग-फ्लिकर और सबसे कठिन और तनावपूर्ण क्षणों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी ने सूरमा के साथ करार किया है, अपने कौशल के कारण वह प्रतियोगिता के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सीनियर टीम के लिए 234 मैचों में 205 गोल किए हैं।

भारतीय उप-कप्तान हार्दिक सिंह की सेवाएं भी यूपी रुद्रस ने 70 लाख रुपए में हासिल कीं। वह पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम का भी अहम हिस्सा थे और मैदान पर देश की कई यादगार जीत के सूत्रधार रहे हैं। 142 मैचों में हार्दिक ने 11 गोल किए हैं। संशोधित एचआईएल 2024-25 में 8 पुरुष टीमें और 6 महिला टीमें शामिल होंगी, जो देश की पहली स्टैंडअलोन महिला लीग होगी जो पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ चलेगी।

2017 में अपने पिछले संस्करण में कलिंगा लांसर्स ने दबंग मुंबई को हराकर खिताब जीता था। लीग 28 दिसंबर को दो स्थानों - झारखंड के रांची में मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम और ओडिशा के राउरकेला में बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले जाने वाले मैचों के साथ शुरू होगी। महिला लीग का समापन 26 जनवरी, 2025 को रांची में होगा, जबकि पुरुषों का फाइनल 1 फरवरी, 2025 को राउरकेला में होगा।

अब तक की शीर्ष 5 सबसे महंगे खिलाड़ी

खिलाड़ी	टीम	राशि
हरमनप्रीत सिंह	सूरमा एचसी	78 लाख रुपए
अभिषेक	श्राची रारह बंगाल टाइगर्स	72 लाख रुपए
हार्दिक सिंह	यूपी रुद्रस	70 लाख रुपए
गोंज़ालो पेइलाट	हैदराबाद तूफान	68 लाख रुपए
जिप जैनसेन	तमिलनाडु ड्रैगन्स	54 लाख रुपए

हैदराबाद तूफान

(खर्च - 300 लाख, शेष - 100 लाख)

शिलानंद लाकड़ा	21 लाख	फॉरवर्ड
नीलकंठ शर्मा	34 लाख	मिडफील्डर
गोंजालो पेइलट	68 लाख	डिफेंडर
सुमित वाल्मीकि	46 लाख	डिफेंडर
जोन-पॉल डैनबर्ग	27 लाख	गोलकीपर
जैक वालेस	26 लाख	मिडफील्डर
टिमोथी डैनियल	28 लाख	फॉरवर्ड
टेरेंस पीटर्स	10 लाख	फॉरवर्ड
मैथ्यू डॉसन	10 लाख	डिफेंडर
आर्थर डी स्लोवर	30 लाख	डिफेंडर

टीम गोनासिका

(खर्च - 304 लाख, शेष - 96 लाख)

अरिजीत सिंह हुंदल	42 लाख	फॉरवर्ड
मंदीप सिंह	25 लाख	फॉरवर्ड
जीरो हर्टजबर्गर	21 लाख	फॉरवर्ड
मनप्रीत सिंह	42 लाख	मिडफील्डर
आमिर अली	34 लाख	डिफेंडर
नीलम संजीव ज़ेस	17 लाख	डिफेंडर
योगेम्बर रावत	11 लाख	डिफेंडर
बीरेंद्र लाकड़ा	10 लाख	डिफेंडर
सूरज करकेरा	22 लाख	गोलकीपर
ओली पायने	15 लाख	गोलकीपर
विष्णुकांत सिंह	20 लाख	मिडफील्डर
टॉम बून	26 लाख	फॉरवर्ड
टिमोथी हावर्ड	20 लाख	डिफेंडर

पहले दिन बिकने वाले खिलाड़ी

सूरमा हॉकी क्लब

(खर्च - 292 लाख, बचे - 108 लाख)

दयान कैसीम	25 लाख	फॉरवर्ड
गुरजंत सिंह	19 लाख	फॉरवर्ड
विवेक सागर प्रसाद	40 लाख	मिडफील्डर
हरमनप्रीत सिंह	78 लाख	डिफेंडर
जेरेमी हेवर्ड	42 लाख	डिफेंडर
गुरिंदर सिंह	11 लाख	डिफेंडर
विंसेंट वानास्च	23 लाख	गोलकीपर
विक्टर वेगनेज	40 लाख	मिडफील्डर
निकोलस डेला टोरे	14 लाख	डिफेंडर

तमिलनाडु ड्रैगन्स

(खर्च - 295 लाख, शेष - 105 लाख)

ड्रुको टेलगेनकैंप	36 लाख	फॉरवर्ड
सेल्वम कार्थी	24 लाख	फॉरवर्ड
जिप जानसेन	54 लाख	डिफेंडर
अमित रोहिदास	48 लाख	डिफेंडर
कोथाजीत सिंह	10 लाख	डिफेंडर
डेविड हार्ट	32 लाख	गोलकीपर
टॉम क्रेग	20 लाख	मिडफील्डर
मोरिट्ज लुडविग	10 लाख	डिफेंडर
थिएस प्रिंज	18 लाख	मिडफील्डर
मोहम्मद राहील	26 लाख	मिडफील्डर
नाथन एफ्राम्स	17 लाख	फॉरवर्ड

यूपी रुद्रस

(खर्च - 276 लाख, शेष - 124 लाख)

ललित कुमार उपाध्याय	28 लाख	फॉरवर्ड
अल्वारो इग्लेसियस	12 लाख	फॉरवर्ड
हार्दिक सिंह	70 लाख	मिडफील्डर
लार्स बाल्क	40 लाख	डिफेंडर
केन रसेल	30 लाख	डिफेंडर
सुरेंदर कुमार	14 लाख	डिफेंडर
टैगुई कोसिन्स	10 लाख	फॉरवर्ड
मार्क रेकासेंस	15 लाख	डिफेंडर
आकाशदीप सिंह	20 लाख	मिडफील्डर
सिमरनजीत सिंह	10 लाख	मिडफील्डर
फ्लोरिस वोर्टेलबोअर	27 लाख	मिडफील्डर

दिल्ली एसजी पाइपर्स

(खर्च - 333.5 लाख, शेष - 66.5 लाख)

शमशेर सिंह	42 लाख	मिडफील्डर
राज कुमार पाल	40 लाख	मिडफील्डर
रोहित	40 लाख	डिफेंडर
जरमनप्रीत सिंह	38 लाख	डिफेंडर
वरुण कुमार	34 लाख	डिफेंडर
पवन	15 लाख	गोलकीपर
टॉमस सैंटियागो	10 लाख	गोलकीपर
के विलोट	10.5 लाख	मिडफील्डर
अंकित पाल	20 लाख	मिडफील्डर
टॉमस डोमेने	36 लाख	फॉरवर्ड
पाऊ क्लैप्स	10 लाख	डिफेंडर
क्रिस्टोफर रुहर	18 लाख	मिडफील्डर
फ्लिन ओगिल्वी	10 लाख	मिडफील्डर
निकोलस डी केर्पेल	10 लाख	फॉरवर्ड

श्राची रारह बंगाल टाइगर्स

(खर्च - 324 लाख, शेष - 76 लाख)

अभिषेक	72 लाख	फॉरवर्ड
सुखजीत सिंह	42 लाख	फॉरवर्ड
फ्लोरेंट वैन ऑबेल	25 लाख	फॉरवर्ड
जुगराज सिंह	48 लाख	डिफेंडर
गैथियर बोकार्ड	18 लाख	डिफेंडर
हेडन बेल्ट्ज	13 लाख	डिफेंडर
रूपिंदर पाल सिंह	12.5 लाख	डिफेंडर
पिरमिन ब्लैक	25 लाख	गोलकीपर
लाचलान शार्प	18 लाख	मिडफील्डर
जसकरन सिंह	13.5 लाख	मिडफील्डर
टॉम ग्रैम्बुश	10 लाख	मिडफील्डर
सैम लेन	27 लाख	फॉरवर्ड

वेदांता कलिंगा लांसर्स

(खर्च - 305 लाख, शेष - 95 लाख)

दिलप्रीत सिंह	34 लाख	फॉरवर्ड
बॉबी सिंह धामी	20 लाख	फॉरवर्ड
संजय	38 लाख	डिफेंडर
मनदीप मोर	19 लाख	डिफेंडर
कृष्ण बहादुर पाठक	32 लाख	गोलकीपर
अरन ज़ालवेस्की	27 लाख	मिडफील्डर
मोइरांगथेम रबीचंद्र	32 लाख	मिडफील्डर
थिएरी ब्रिंकमैन	38 लाख	फॉरवर्ड
एनरिक गोंजालेज	10 लाख	मिडफील्डर
अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स	23 लाख	डिफेंडर
आर्थर वैन डोरेन	32 लाख	डिफेंडर

यानिक सिनर ने जीता शंघाई मास्टर्स, आर्यना सबालेका वुहान ओपन चैम्पियन बनीं

शंघाई (एजेंसी)। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज यानिक सिनर ने रविवार को यहां 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इटली के इस खिलाड़ी ने 8 ऐस और 22 विनर लगाकर जोकोविच को 7-6 (4), 6-3 से

शिकस्त दी। जोकोविच ने 4 ऐस और 12 विनर लगाए जबकि सिनर ने एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया। जोकोविच यहां टूर स्तर के अपने 100वें खिताब की कोशिश में जुटे थे। जिमी कोनोर्स और रोजर फेडरर ही पुरुष टेनिस में शतक के खिताबी आंकड़े को पार कर पाए हैं। कोनोर्स ने 109 जबकि फेडरर ने 103 टूर स्तर के खिताब जीते हैं।वहीं, दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेका ने 7वीं रैंकिंग पर काबिज झेंग किनवेन को फाइनल में 6-3, 7-5, 6-3 से हराकर लगातार तीसरे साल वुहान ओपन खिताब जीत लिया। यह सबालेंका इस सत्र में चौथा खिताब है जिसमें उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन और अमेरिकी ओपन ग्रैंडस्लैम भी जीते हैं।

हार के बाद बोली हरमनप्रीत कौर

ऑस्ट्रेलिया टीम 1-2 प्लेयरों के भरोसे नहीं है

शारजहां (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप में एक बार फिर से भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के सामने निराशा का सामना करना पड़ा। शारजहा में खेले गए अहम मुकाबले में भारतीय टीम 9 रन से हार गई और सेमीफाइनल से दूर हो गई। हालांकि भारत अभी भी सेमीफाइनल में पहुंच सकता है लेकिन इसकी संभावना कम है। बहरहाल, मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान हरनमप्रीत कौर काफी निराश दिखीं। उन्होंने साफ तौर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि उनकी पूरी टीम योगदान देती है, वे एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं हैं, उनके पास बहुत सारे ऑलराउंडर हैं जो योगदान देते हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि मैच के लिए हमने भी अच्छी योजना बनाई थी और हम खेल में बने रहे। उन्होंने आसानी से रन नहीं दिए और इसे मुश्किल बना दिया। वे एक अनुभवी टीम हैं। यह कुछ ऐसा है जो आपके नियंत्रण में नहीं है। राधा ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, वह खेल में थी और वह अच्छी फील्डिंग कर रही थी। आपको टीम में ऐसे चरित्र की जरूरत है जो हमेशा मौजूद रहे। यह लक्ष्य हासिल करने लायक था। जब मैं और दीप्ति बल्लेबाजी कर रहे थे तो हम कुछ लूज बॉल को हिट नहीं कर पाई। जो कुछ भी हमारे हाथ में था, हम वह करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन यह हमारे नियंत्रण में नहीं है। अगर हमें एक और मैच खेलने का मौका मिलता तो यह बहुत अच्छा होता।

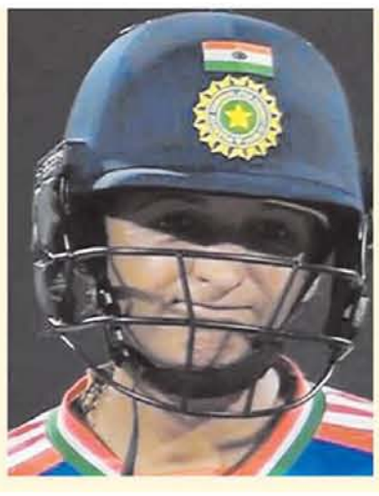

अब पाकिस्तान से उम्मीदें, भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में कर सकता है मदद

शारजहां (एजेंसी)। रविवार को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से 9 रन से मिली हार के बाद भारत को अब पाकिस्तान से उम्मीदें हैं जो उसे महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा सकता है। ऑस्ट्रेलिया ने चार मैचों में से चार जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल करके अपना सेमीफाइनल स्थान सुनिश्चित किया। दो जीत और दो हार के बाद चार अंक हासिल करने वाले भारत को पाकिस्तान से न्यूजीलैंड को हराने की उम्मीदें करनी होंगे ताकि नेट रन-रेट के आधार पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच सके। हालांकि, कीवी टीम की जीत उन्हें अंतिम-चार में पहुंचा देगी और भारत को बाहर कर देगी। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्वीकार किया, यह कुछ ऐसा है जो हमारे नियंत्रण में नहीं है। अगर हमें एक और मैच खेलने का मौका मिलता है, तो यह बहुत अच्छा होगा। लेकिन जो भी वहां होने का हकदार है, वह टीम वहां होगी। छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान एलिसा हीली की अनुपस्थिति को मात देते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बन गई। शुक्रवार को पाकिस्तान पर जीत के दौरान बल्लेबाजी करते समय पैर में चोट लगने के कारण हीली के बाहर होने के बाद ताहलिया मैकग्राथ ने ऑस्ट्रेलिया की अगुआई की। हीली की जगह ग्रेस हैरिस ने 40 रन बनाए और मैकग्राथ ने 32 रन बनाए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 151-8 का स्कोर बनाया।

एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग से दें कॅरियर को नई उड़ान

उड्डयन उद्योग (एविएशन इंडस्ट्री) दुनिया का सबसे तेजी से उभरने वाला क्षेत्र है। एयरक्राफ्ट मेंटनेंस में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। मौजूदा समय में करीब पांच लाख पैसेंजर और कार्गो एयरक्राफ्ट के अलावा व्यापार व निजी कामों के लिए 40 लाख छोटे प्राइवेट विमानों का इस्तेमाल विश्व भर में हो रहा है।

इस मामले में तेजी से विकसित होने वाले देशों में भारत भी शामिल है, जहां नागिरक उड्डयन के क्षेत्र में जबरदस्त वृद्धि हुई है। उड्डयन उद्योग में दो प्रमुख ब्रांच होती हैं : फ्लाइंग ब्रांच और मेंटेनेंस ब्रांच। विमान के मेंटेनेंस की पूरी जिम्मेदारी एयरक्राफ्ट विभाग के इंजीनियर की ही होती है।

नेचर ऑफ वर्क

एक विमान को हमेशा उड़ने योग्य बनाए रखने के पीछे एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियर की बड़ी भूमिका होती है। विमान के इंस्ट्रूमेंटेशन और अन्य संबंधित भागों की मरम्मत, मेंटेनेंस और नियंत्रण की जिम्मेदारी इसी व्यक्ति पर निर्भर करती है। वह विमान के इंजन और लगातार काम कर रहे पुर्जों की भी जांच करता है। इसके अलावा एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग के क्षेत्र में डिजाइनिंग, विमानों का निर्माण और उनकी मेंटेनेंस के अलावा नेविगेशनल गाइडेंस, इंस्ट्रूमेंटेशन, हाईड्रॉलिक व न्योमेंटेशन, इंजन और फ्यूल सिस्टम, कंट्रोल और कम्युनिकेशन सिस्टम जैसे कार्य शामिल हैं। एयरक्राफ्ट मैकेनिक को कई प्रकार के अलग-अलग विमानों में कार्य करना पड़ता है। इन मैकेनिक को विमानों की क्षमता बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिकल सिस्टम, इंसपेक्शन और एयरकंडीशनिंग मैकेनिज्म की ट्रेनिंग भी दी जाती है। एयरक्राफ्ट मैकेनिक दो प्रकार के ऑपरेशन के तहत काम करते हैं।

लाइन मेंटेनेंस मैकेनिक्स

- लाइन मेंटेनेंस मैकेनिक्स विमान के किसी भी संबंधित पुर्जे पर काम कर सकते हैं।
- एयरपोर्ट पर इमरजेंसी या जरूरत के समय पर रिपेयरिंग का काम
- फ्लाइट 'टेक ऑफ के समय' इंजीनियर के निर्देशानुसार निरीक्षण का कार्य

ओवरहॉल मैकेनिक्स

- विमानों की उड़ान खत्म होने के बाद उनकी रुटिन मेंटेनेंस का काम ओवरहॉल मैकेनिक्स की देख-रेख में ही होता है।
- विमान के एयरफ्रेम और मरम्मत की जिम्मेदारी एयरक्राफ्ट एयरफ्रेम मैकेनिक की होती है।
- जबकि एयरक्राफ्ट पावर प्लांट मैकेनिक विमान के इंजन पर कार्य करते हैं।

योग्यता

बारहवीं में साइंस स्ट्रीम (फीजिक्स, कैमिस्ट्री और गणित के साथ) से पढ़ाई करने के बाद अभ्यर्थी इसके एंट्रेंस एग्जाम में बैठ सकते हैं। चार साल के ऐरोस्पेस इंजीनियर कोर्स में दाखिले के बाद अभ्यर्थी इस क्षेत्र में नौकरी पा सकते हैं। एंट्री लेवल की जॉब पाने के लिए बैचलर इंजीनियरिंग (बीई) डिग्री से ही काम चलाया जा सकता है, जबकि बड़े पदों पर पहुंचने के लिए मास्टर या डॉक्टरेट डिग्री करना अनिवार्य है।

एएमई कोर्स में दाखिला पाने के लिए योग्यता

- 12वीं में फीजिक्स, कैमिस्ट्री और गणित का कुल एग्रीगेट 50 प्रतिशत होना जरूरी है।
- या किसी भी इंजनियरिंग विभाग से 3 साल का डिप्लोमा किया हो।
- फीजिक्स, कैमिस्ट्री और गणित के साथ 12वीं के बाद बीएसएसी में स्नातक किया हो।एयरक्राफ्ट के क्षेत्र में किसी भी पद पर नौकरी करने के लिए सिविल एविएशन के डायरेक्टर जनरल (डीजीसीए) से लाइसेंस प्राप्त करना जरूरी है।

एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग लाइसेंस

भारत में एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग के पेशे में आने के लिए डीजीसीए से लाइसेंस प्राप्त करना बहुत जरूरी है। इस दिशा में ऐरोनॉटिकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी एसोसिएट मेंबरशिप एग्जाम सर्टिफिकेशन में हाजिर होना पड़ता है। सफलतापूर्वक एग्जाम पास करने के बाद अभ्यार्थी डीजीसीए द्वारा प्रमाणित किसी भी संस्थान में दाखिला ले सकते हैं। यह सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्हीं संस्थानों में सबसे प्रमुख मेंबरशिप एग्जाम के लिए ट्रेनिंग दी जाती है। इंटर्नल एग्जाम सेक्शन ए और बी में पास होने के बाद डीजीसीए आपको एएमई लाइसेंस जारी कर देगा। लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आयु सीमा 23 वर्ष निर्धारित की गई है, लेकिन इंजीनियरिंग और साइंस में ग्रेजुएट को कुछ छूट मिल सकती है।

भारत के प्रमुख एएमई कॉलेज

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग, दिल्ली
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद
- हैदराबाद (एपी) इंस्टीट्यूट ऑफ एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग, गौतम नगर, सिकंदराबाद
- बेंगलुरू हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, चिन्नापनाहल्ली, बेंगलुरू
- सेंटर ऑफ सिविल एविएशन ट्रेनिंग, दिल्ली
- हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी, जीएसटी रोड, सेंट थोमस माउंट, चेन्नई
- ऐरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, लखनऊ

ब्रांड मैनेजमेंट कॉर्पोरेट दुनिया में कॅरियर की अपार संभावनाएं

प्रतियोगिता के इस दौड़ में हर कंपनी अपने उत्पाद को अलग ढंग से प्रस्तुत करना चाहती है और यही वजह है कि इस तरह के प्रोफेशनल कोर्स की अब खूब मांग होने लगी है। हर कंपनी ग्राहकों की मांग को देखते हुए अपने उत्पाद की ब्रांडिंग करना चाहती है ताकि उसका उत्पाद बाजार में सबसे खास लगे। अपने उत्पाद को अलग ढंग से प्रस्तुत करने की यही कला ब्रांडिंग कहलाती है। ब्रांडिंग की इस प्रकिया में ब्रांड मैनेजर अहम भूमिका निभाता है। इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं कि कैसे इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाएं।

एक आइडिया जो बदल दे आपकी दुनिया' या फिर 'कुछ दाग अच्छे हैं' ये स्लोगन ऐसे हैं, जो बच्चों-बड़ों सबकी जुबान पर होते हैं। उनसे अगर इन स्लोगन के बारे में पूछा जाए तो वे आसानी से बता देंगे कि ये किस प्रोडक्ट का स्लोगन है। वास्तव में ये स्लोगन नहीं हैं, ये है ब्रांडिंग। किसी ब्रांड (प्रोडक्ट) की ब्रांडिंग कर उन्हें जन-जन तक कैसे पहुंचाया जाता है, इसका एक नमूना मात्र हैं ये। आज का समय ऐसा है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। ऐसे में आज के इस प्रतियोगी युग में सभी छोटी-बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्ट को आगे निकालने के लिए जम कर ब्रांडिंग का इस्तेमाल कर रही हैं और इन कामों को बखूबी अंजाम देने का काम कर रहे हैं कंपनी के ब्रांड मैनेजर और ब्रांड मैनेजमेंट टीम। ब्रांडिंग के बढ़ते इस्तेमाल ने ब्रांड मैनेजमेंट को युवाओं के लिए एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में उभारा है। भीड़ में अपने उत्पाद को कुछ अलग अंदाज में पेश करने के लिए उसे ब्रांडिंग की जरूरत होती है। इसके तहत कंपनी अपने प्रोडक्ट को कुछ ऐसे अंदाज में पेश करना चाहती है ताकि वह मार्केट में ज्यादा से ज्यादा लोगों की नजर में आए।

प्रतियोगिता ने बढ़ाई मांग

ब्रांड मैनेजमेंट से संबंधित प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की मांग छात्रों के बीच दिनों-दिन बढ़ रही है। इससे पाठ्यक्रम से जुड़े अवसरों का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। कई शिक्षण संस्थानों ने अपने मैनेजमेंट पाठ्यक्रमों में ब्रांड मैनेजमेंट को विशेष विषय के रूप से पढ़ाना भी शुरू कर दिया है।

प्रमुख क्षेत्र

ब्रांड मैनेजमेंट के दायरे में आने वाले प्रमुख क्षेत्र हैं- मार्केट रिसर्च, एनालिसिस ऑफ मार्केटिंग ट्रेंड, कज्यूमर डिमांड, ब्रांड लांच एंड यूएसपी, ब्रांड रिसर्च, ब्रांड प्रमोशन और डिस्ट्रिब्यूशन। इन सभी ब्रांड मैनेजमेंट के क्षेत्रों में इसके प्रोफेशनल काम करते हैं।

योग्यता

ब्रांड मैनेजर बनने के लिए ब्रांड मैनेजमेंट या मैनेजमेंट में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स करना जरूरी है। देश के कई संस्थानों में इसके लिए अलग-अलग कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। कई मैनेजमेंट संस्थानों इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में अभी ब्रांड मैनेजमेंट स्पेशलाइजेशन में दो वर्षीय डिग्री नहीं है, लेकिन आईआईएम तिरुचिरापल्ली में एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन ब्रांड एंड एडवर्टाइजिंग मैनेजमेंट का कोर्स संचालित किया जा रहा है।

शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स भी उपलब्ध

आईआईएम अहमदाबाद, बेंगलुरू, इंदौर और कोलकाता में ब्रांड मैनेजमेंट का शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स कराया जा रहा है। कई प्राइवेट संस्थान अपने यहां ब्रांड मैनेजमेंट स्पेशलाइजेशन में बैचलर, पीजी डिप्लोमा और एडवांस्ड पीजी डिप्लोमा जैसे कोर्स संचालित कर रहे हैं। इसके अलावा देशभर के अधिकांश संस्थानों में मैनेजमेंट के लिए एमबीए कोर्स करने वाले सभी छात्रों को अनिवार्य रूप से एक पेपर के रूप में ब्रांड मैनेजमेंट का अध्ययन कराया जा रहा है।

क्रिएटिव होना जरूरी

सफल ब्रांड मैनेजर बनने के लिए क्रिएटिव माइंड का होना जरूरी है। इस फील्ड में आइडिया काफी मायने रखते हैं। इनके बूते ही कंपनी में नई-नई योजनाएं तैयार की जा सकती हैं। आइडिया तब ज्यादा कारगर साबित होते हैं, जब उनके साथ क्रिएटिविटी भी हो। इसके अलावा मार्केट रिसर्च, एनालिसिस, सेल्स और प्रोडक्ट के प्रमोशन की प्लानिंग जैसी स्किल होना भी इस पेशे के लिए जरूरी है।

समय-समय पर बाजार में प्रोडक्ट को लेकर सर्वे करना भी काम का हिस्सा है।

सैलरी

ब्रांड मैनेजर को शुरुआती दौर में 30 से 35 हजार रुपये मासिक वेतन मिलता है। कुछ वर्षों के अनुभव और तरक्की के बाद वेतन 50 से 80 हजार रुपये प्रतिमाह तक हो जाता है। देश अभी औद्योगिक रूप से पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है। यहां अब भी नई कंपनियों के लिए काफी संभावनाएं हैं और एफडीआई के जरिए उन्हें आकर्षित करने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। ऐसे में विदेशी कंपनियों के आने पर ब्रांड मैनेजरों के वेतन में वृद्धि लाजिमी है।

जरूरी गुण

ब्रांड मैनेजमेंट के प्रोफेशन में अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल का होना पहली शर्त है। दरअसल ब्रांड से जुड़े लोगों का काम अपने प्रोडक्ट की छवि को मार्केट में बेहतर बनाना होता है। यह काम बिना कम्यूनिकेशन स्किल के मुमकिन नहीं है। इसी तरह तार्किक दिमाग इस पेशे की दूसरी अनिवार्य शर्त है। यह पूरा पेशा ही मार्केट रिसर्च और प्रतिद्वंद्वी कंपनियों से खुद को बेहतर साबित करने की कोशिश पर केंद्रित है। इसलिए सतर्क दिमाग और तार्किक सोच के साथ काम को अंजाम देना भी आना चाहिए।

संभावनाएं

ब्रांड मैनेजमेंट की पढ़ाई के बाद आप बतौर ब्रांड मैनेजर या प्रोडक्ट मैनेजर एफएमसीजी कंपनियों से जुड़कर काम करते हुए उपभोक्ताओं की जरूरतों और बाजार की नब्ज को पकड़ सकते हैं, तो अपनी कंसल्टेंसी भी शुरू कर सकते हैं।

विदेशों में काम करने का मौका

इस क्षेत्र में काम करने वाले युवाओं को भारत के अलावा विदेश में भी काम करने का मौका मिलता है। वहां पर उन्हें भारत की अपेक्षा कई गुना अधिक पैसा मिलता है। साथ ही ऐसे युवा जिन्होंने सफलतापूर्वक ब्रांड मैनेजमेंट का कोर्स पूरा कर लिया हो, हिन्दुस्तान लीवर, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, गोदरेज इंडिया, सनफार्मा, एल्केम फार्मा, आदित्य बिड़ला ग्रुप, रिलायंस में आसानी से नौकरी मिल जाती है।

संबंधित संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लानिंग एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता, अहमदाबाद, बेंगलुरु, लखनऊ और इंदौर
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट, रांची
- एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, पुणे

म्यूजिक थेरेपी से करें मरीज के मर्ज का इलाज

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों को डिप्रेशन जैसी कई मानसिक समस्याओं से जूझना पड़ता है और म्यूजिक थेरेपी इन सबसे उबरने में मददगार साबित हो सकती है। भारत में म्यूजिक थेरेपी का प्रचलन बहुत ज्यादा तो नहीं है क्योंकि इस पर बहुत खर्च आता है लेकिन इसके असरदार परिणामों को देख अब यह भारत में भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही है। म्यूजिक थेरेपी का प्रभाव बहुत गहरा होता है। यह नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है। अगर आपको संगीत से प्यार है और आपका बैकग्राउंड भी म्यूजिकल है तो आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। संगीत थेरेपी में विकारों को दूर करने के लिए इंसान के स्वभाव और समस्या के अनुसार संगीत तैयार करना होता है। इसके लिए आर्केस्ट्रा और अन्य कई इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल किया जाता है। जैसे-जैसे मरीज की हालत में सुधार आता है संगीत में उसके अनुसार बदलाव किया जाता है। इसके जरिए इलाज के लिए ऐसे संगीत का इस्तेमाल किया जाता है जिससे व्यक्ति को चैन मिल सके। इससे मरीज की निराशा, व्यवहार और भावनात्मक समस्याओं में कमी लाई जा सकती है। म्यूजिक थेरेपी को आजकल डॉक्टर भी बढ़ावा दे रहे हैं क्योंकि यह काम के बोझ के तले दबे लोगों के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यही कारण है कि इंजीनियर, आईटी प्रोफेशनल्स, कॉल सेंटरकर्मियों से लेकर मीडियाकर्मी तक इस थेरेपी का सहारा ले रहे हैं। जहां दवाएं काम नहीं करतीं, वहां संगीत अपना असर दिखा सकता है।

ये हैं कोर्स

हालांकि इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए कोई विशिष्ट योग्यता की आवश्यकता नहीं है लेकिन संगीत थेरेपी में कोई भी कोर्स करने के लिए बारहवीं उत्तीर्ण होना बुनियादी आवश्यकता है। इसके अलावा अगर आपने ये कोर्स किए हुए हों तो इस क्षेत्र में प्रवेश करना आपके लिए और आसान हो जाता है।

- एडवांस्ड लेवल म्यूजिक थेरेपी कोर्स
- सर्टिफिकेट इन म्यूजिक थेरेपी
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल म्यूजिक थेरेपी
- प्रोफेशनल पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन म्यूजिक थेरेपी

व्यक्तिगत योग्यता

- लोगों की मदद करने की क्षमता
- क्लाइंट को भावनात्मक रूप से मदद करने का गुण
- दया की भावना
- धैर्य
- रचनात्मकता
- दृढ़ निश्चय
- काम के प्रति समर्पण
- आलोचना को सही रूप में स्वीकार करने की क्षमता
- आत्मविश्वास
- संगीत का पूर्ण ज्ञान

तीनों खान से लेकर

अक्षय कुमार तक बॉलीवुड स्टार्स को मिल चुकी है जान से मारने की धमकियां

बाबा सिद्दीकी को सरेआम गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई. जिसके बाद से पूरी मुंबई दहशत में है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बॉलीवुड स्टार्स को भी जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं. मुंबई देर रात तब दहल उठा जब एनसीपी (अजित पवार) के नेता बाबा सिद्दीकी को गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई. बाबा सिद्दीकी का कनेक्शन राजनीति और बॉलीवुड की हस्तियों के साथ भी रहा है. बाबा सिद्दीकी एक बड़ा नाम है, जो अभिनेता सलमान खान और शाहरुख खान की दोस्ती करायी थी.इस समय पूरी मुंबई में चप्पा-चप्पा पर पुलिस तैनात हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड स्टार्स को भी जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं.

सलमान खान

सलमान खान को भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं. राजस्थान के गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने सलमान को जान से मारने की धमकी दी है. एक बार तो सलमान के घर के बाहर फायरिंग भी हुई थी. जिसके बाद से सलमान की सुरक्षा को और भी बढ़ा दिया गया. इतना ही सलमान के पिता सलिम खान को भी धमकियां मिल चुकी है. फिलहाल सलमान खान के घर के बार सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है साथ ही मुंबई पुलिस ने उन्हें घर के अंदर रहने की सलाह दी है.

शाहरुख खान

बादशाह शाहरुख खान को भी जान से मारने की कई बार धमकियां मिल चुकी है. शाहरुख खान को अंडरवर्ल्ड की तरफ से ये धमकी मिली थी. एक्टर पर लगातार अंडरवर्ल्ड के साथ काम करने और साथ ही फिल्मों की कमाई से हिस्सा देने की मांग की जा रही थी. यह भी मामला उन दिनों काफी सुर्खियों में बना था.

आमिर खान

सत्यमेव जयते की शूटिंग के समय आमिर खान को भी धमकी मिल चुकी है. जिसे देखते हुए आमिर ने खुद की सेफ्टी के लिए बुलेट प्रूफ कार खरीदी थी. यह भी केस उस समय काफी छाया हुआ था.

राकेश रोशन

बॉलीवुड फिल्म मेकर राकेश रोशन को जान से मारने की धमकी मिल चुकी है. इतना ही नहीं राकेश रोशन को धमकी के साथ-साथ कई बार उनपर गोलियों भी चलाई गई थी. जिनमें से एक बार तो राकेश रोशन के हाथ में गोली लग गई थी जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती भी कराया गया था.

महेश भट्ट

फिल्म मेकर महेश भट्ट को भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 12-13 लोगों के एक ग्रुप ने महेश भट्ट पर हमला करने की प्लानिंग की थी. हालांकि मुंबई पुलिस ने अंडरवर्ल्ड की इस साजिश को नाकामयाब कर दिया था. लेकिन यह मामला भी काफी सुर्खियों में बना था.

संजय दत्त

अभिनेत्रा संजय दत्त को भी जान से मारने की धमकी मिल चुकी है. क्योंकि संजय दत्त की दोस्ती अंडरवर्ल्ड के साथ काफी अच्छी है. लेकिन बीच में खबर आने लगी थी कि दाऊद इब्राहिम और अबू सलेम की तरफ से उन्हें धमकियां दी जाती थी.

अक्षय कुमार

अक्षय कुमार को भी गैंगस्टर रवि पुजारा की तरफ से धमकी मिल चुकी है. मीडिया रिपोर्ट की माने तो जब अक्षय कुमार ने काम करने वाले नौकर को काम पर से निकाल दिया था तब गैंगस्टर ने अक्षय को फोन कर बोला था कि नौकर को काम से हटाकर अच्छा नहीं किया है. यह केस भी उन दिनों काफी ट्रेंड में था.

जन्नत जुबैर के इस पोस्ट पर थम गई निगाहें

टीवी एक्ट्रेस जन्नत जुबैर अपने चाहने वालों के लिए ऐसे पोस्ट शेयर करती हैं कि हर कोई दिल थामकर देखता रहता है। उनके हालिया पोस्ट को देख हर किसी की निगाहें थम गईं। फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं, लेकिन कुछ यूजर्स हैं, जो ताना मार रहे हैं और उन्हें उर्फी जावेद की छोटी बहन बता रहे हैं।

जन्नत के पोस्ट पर जैस्मीन भसीन ने कॉमेंट किया, बहुत प्रिटी। पर कुछ यूजर्स उन्हें ताने मार रहे हैं। एक ने लिखा, उर्फी जावेद की छोटी बहन। तो दूसरे ने कॉमेंट किया, मुस्लिम नाम पर कलंक। कई उन्हें छपरी बोल रहे हैं तो भद्दी बातें बोल रहा है। जन्नत को बीते दिनों लाफ्टर शेफ्स शो में देखा जा रहा था। उनकी जोड़ी उनकी दोस्त रीम शेख के साथ बनी थी। इस शो में ऐसी 6 जोड़ियां थीं। अंकिता लोखंडे-विक्की जैन, कश्मीरा शाह-कृष्णा अभिषेक, निया शर्मा-सुदेश लहरी, राहुल वैद्य-अली गोनी, अर्जुन बिजलानी-करण कुंद्रा। होस्ट भारती सिंह और जज शेफ हरपाल सिंह सोखी।

टीवी और फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस जन्नत

साल 2001 में जन्मीं जन्नत टीवी और फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस रह चुकी हैं। उन्हें काशी, फुलवा और तू आशिकी में दमदार एक्टिंग के लिए जाना जाता है। वो 2022 में खतरों के खिलाड़ी 12 में भी पार्टिसिपेट कर चुकी हैं।

जल्द आएगा शो का दूसरा सीजन

बताया जा रहा है कि लाफ्टर शेफ्स को दर्शकों ने बहुत प्यार दिया, इसलिए इसका दूसरा सीजन जल्द शुरू होगा। हालांकि, अभी इसको लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

करण जौहर ने दिव्या खोसला को कहा मूर्ख

आलिया भट्ट स्टारर फिल्म जिगरा रिलीज होने के बाद से ही करण जौहर और दिव्या खोसला कुमार के बीच बहस जारी है। दरअसल, दिव्या का आरोप है कि करण जौहर ने उनकी फिल्म सावी को कॉपी कर जिगरा बनाई है। स्क्रिप्ट चुराने के आरोप लगाने के बाद दिव्या ने हाल ही में जिगरा के खाली थिएटर्स की तस्वीरें शेयर कर कहा था कि आलिया ने अपनी फिल्म की टिकटें खरीदीं और फेक कलेक्शन अनाउंस करवाया है। इसके बाद करण जौहर ने एक पोस्ट शेयर कर दिव्या का नाम लिए बिना उन्हें मूर्ख कहा है।

दिव्या ने बीते दिन पोस्ट में लिखा था, 'जिगरा देखने सिटी मॉल के पीवीआर गई थी, थिएटर पूरी तरह खाली था। बल्कि हर जगह सभी थिएटर्स खाली जा रहे हैं। आलिया भट्ट में सच में बहुत जिगरा है, खुद ही टिकट खरीदे और फेक कलेक्शन अनाउंस कर दिए। मैं हैरान हूं कि आखिर पेड मीडिया चुप क्यों है? जनता को उल्लू नहीं बनाना चाहिए। झूठ के ऊपर सच है।

इसके जवाब में करण जौहर ने बिना नाम लिए लिखा है, बेवकूफों के लिए खामोश रहना ही सबसे बेहतरीन जवाब है। दिव्या खोसला ने करण की पोस्ट सामने आने के बाद जवाब में लिखा है, सच्चाई हमेशा इसके खिलाफ खड़े मूर्खों को भड़का देती है। अगली पोस्ट में उन्होंने लिखा, जब आप बेशर्मी से दूसरों की चीजों पर हक जमाते हुए उसे चुराते हैं, तो आपको चुप रहकर ही बचना पड़ेगा। आपकी कोई आवाज और रीढ़ की हड्डी नहीं होती।

क्या है पूरा मुद्दा?

31 मई 2024 को दिव्या खोसला कुमार की फिल्म सावी रिलीज हुई थी। फिल्म में एक बहन की कहानी थी, जो अपने भाई को बचाने की जद्दोजहद करती है। हाल ही में 11 अक्टूबर को आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर फिल्म जिगरा रिलीज हुई है, जिसकी स्टोरीलाइन सावी से एकदम मेल खाती है। जिगरा का ट्रेलर आने के बाद से ही दिव्या की टीम, जिगरा मेकर्स पर सावी की कहानी चोरी करने का आरोप लगा रही है। उनकी पीआर टीम ने एक नोट शेयर कर इसकी जानकारी दी थी। एक्ट्रेस का आरोप है कि, आलिया ने उनकी फिल्म की स्क्रिप्ट चुराई और फिर डायरेक्टर वासन बाला के साथ मिलकर उसमें बदलाव करके 'जिगरा' नाम से रिलीज कर दिया।

डायरेक्टर राज शांडिल्य ने मैडॉक से मांगी माफी

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है। हालांकि, इसी बीच फिल्म के डायरेक्टर राज शांडिल्य को मैडॉक फिल्म्स से माफी मांगनी पड़ी। दरअसल राज ने मैडॉक फिल्म्स की फिल्म 'स्त्री' के किरदार और डायलॉग बिना इजाजत अपनी फिल्म 'विक्की विद्या..' में यूज किए थे। राज ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करते हुए अपनी फिल्म से ऐसे सीन हटाने की बात भी कही है। राज ने एक पोस्ट में लिखा, 'मैं राज शांडिल्य, फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' का डायरेक्टर अपनी और हमारी फिल्म के मेकर्स की ओर से, मैडॉक फिल्म्स की फ्रेंचाइजी 'स्त्री' के कैरेक्टर और डायलॉग्स अपनी फिल्म में बिना इजाजत इस्तेमाल करने के लिए ईमानदारी से माफी मांगता हूं। इस उल्लंघन की वजह से मैडॉक फिल्म्स और उनकी फ्रेंचाइजी को जो भी नुकसान हुआ उसके लिए हमें गहरा खेद है।'

कपिल शर्मा शो में करीना ने किया खुलासा

करिश्मा से जलते हैं सैफ

हाल ही में कपूर सिस्टर्स करीना और करिश्मा द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो का हिस्सा बनी हैं। शो में दोनों ने पर्सनल लाइफ और इक्वेशन पर मजेदार बातचीत की है। हाल ही में शो का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें करीना ने ये दावा किया है कि उनके पति सैफ अली खान, बहन करिश्मा से जलते हैं।

बातचीत के दौरान कपिल शर्मा ने कपूर सिस्टर्स से पूछा था कि क्या वो हर हफ्ते मिलते हैं। इस पर करीना ने कहा है कि अगर वो शूट नहीं करती तो रोज करिश्मा से मिलती हैं। आगे करीना ने कहा है, मेरे पति सबसे ज्यादा लोलो (करिश्मा) से जलते हैं। वो हमेशा कहते हैं कि तुम मुझसे भी ज्यादा लोलो से बातें करती हो। मुझे ऐसा लगता है कि तुम मेरे साथ नहीं लोलो के साथ ही रहती हो।

आगे करीना ने कहा है, हम बहुत क्लोज हैं। हम दिन में कम से कम 3-4 बार कॉल पर बात करते हैं। मैं पेरेंट्स के बारे में या कुछ भी हो जाए, हर बात उससे शेयर करती हूं। इस पर करिश्मा ने कहा है कि हम बच्चों के बारे में, कुक के बारे में हर बात करते हैं। हमारी बात सुबह शुरू होती है और रात होने तक खत्म होती है। शो में करिश्मा ने बताया है कि जिस समय करीना ने उन्हें अपने और सैफ के रिश्ते के बारे में बताया तब वो लंदन में थीं। दोनों की डेटिंग की खबर सुनकर करिश्मा कपूर शॉक हो गई थीं। शो में कपिल शर्मा ने करीना से करिश्मा से जुड़े कुछ सवाल किए थे। उन्होंने करीना से पूछा कि करिश्मा की वो कौन सी फिल्म है जो उन्हें नापसंद है। इस पर करीना ने मैदान-ए-जंग का नाम लिया। आगे जब उनसे पूछा गया कि करिश्मा का पहला सेलिब्रिटी क्रश कौन था, तो जवाब में करीना ने सलमान खान का नाम लिया।

करिश्मा कपूर के को-स्टार रह चुके हैं सैफ अली खान

बताते चलें करिश्मा कपूर और सैफ अली खान एक समय में ऑन-स्क्रीन जोड़ी बनकर काम कर चुके हैं। दोनों को 1999 की फिल्म हम साथ-साथ हैं में साथ देखा गया था, जिसमें उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया था।

मल्लिका शेरावत का कैलिफोर्निया वाला घर किसी सपने से कम नहीं!

कई सारे स्विमिंग पूल, जिम और बाहर सुंदर सी झोपड़ी

मल्लिका शेरावत लंबे समय के बाद फिल्मों में वापसी कर रही हैं। उनके बारे में लंबे समय से बातें नहीं हुई हैं लेकिन अब लोग काफी कुछ जानना चाहते हैं। मल्लिका के कैलिफोर्निया वाले घर पर अगर आपकी नजर नहीं पड़ी तो ये फोटोज जरूर देखिए। मल्लिका शेरावत ने 2002 में फिल्म जीना सिर्फ मेरे लिए से फिल्मों में कदम रखा। हालांकि, 2004 की फिल्म मर्डर से उन्हें काफी पहचान मिली और वह अपने करियर में एक के बाद एक फिल्मों में काम करती गईं। बाद में वो अमेरिका चली गईं और अब हम आपको उनके अमेरिका वाले घर की फोटोज दिखा रहे हैं, जो किसी के भी सपनों का घर हो सकता है।

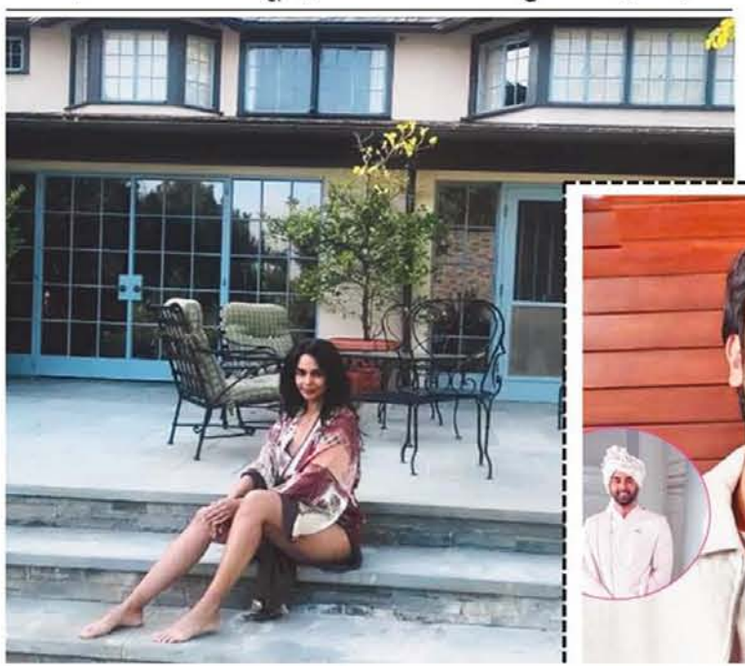

शादी के 2 साल बाद फिर दूल्हा बने रणबीर

राहा के पापा रणबीर कपूर एक बार फिर से सोशल मीडिया पर छा गए हैं. इस समय फैंस के बीच रणबीर कपूर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में रणबीर कपूर दूल्हे के लिबास में नजर आ रहे हैं. रणबीर कपूर बॉलीवुड के जानेमाने डिजाइनर तरुण तहिलियानी के फैशन शो का हिस्सा बनने के लिए दिल्ली पहुंचे थे. यहां पर रणबीर कपूर ने शोजटॉपर बनकर धमाकेदार एंट्री मारी. इस दौरान रणबीर कपूर दूल्हा बनकर सफेद गाड़ी की सवारी करते नजर आए. वायरल हो रहे वीडियो में रणबीर कपूर तरुण तहिलियानी के साथ नजर आ रहे हैं. वीडियो में रणबीर कपूर सफेद रंग की शेरवानी पहने दिख रहे हैं. जिसके साथ रणबीर कपूर ने सफेद रंग की खूबसूरत पगड़ी पहनी है. रणबीर कपूर की मोजड़ी ने तो उनके लुक पर चार चांद ही लगा दिए. अब रणबीर कपूर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है. लोग सोशल मीडिया पर लगातार रणबीर कपूर के लुक की तारीफ कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि रणबीर कपूर का मुकाबली कोई नहीं कर सकता. रणबीर कपूर को लेग बेस्ट शोज टॉपर बता रहे हैं. बता दें इन दिनों फिल्म रणबीर कपूर लगातार फिल्म धूम 4 की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं. कुछ समय पहले ही खबर आई थी कि रणबीर कपूर यशराज फिल्म्स की इस हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने वाले हैं.

रेलवे की महिला टीम ने जीता टूर्नामेंट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में 29वीं सीनियर महिला नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप फार राजमाता जीजाबाई ट्रॉफी के समापन समारोह का मैच उत्तर प्रदेश बनाम भारतीय रेलवे फुटबाल टीम के मध्य खेला गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती सावित्री ठाकुर राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास भारत सरकार का स्वागत बुके अंग वस्त्र एवं मोमेंटो से संयुक्त रूप से उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के अध्यक्ष अरविंद मेनन एवं महासचिव मोहम्मद शाहिद द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि मनीष कुमार वर्मा का स्वागत पुष्कर शर्मा उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ द्वारा बुके मोमेंटो एवं अंग वस्त्र प्रदान कर किया विशिष्ट अतिथि कंचन गुप्ता सलाहकार प्रधान मंत्री का स्वागत मोहम्मद शाहिद महासचिव उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ ने अंग वस्त्र बुके एवं मोमेंटो देकर किया।

मैच में भारतीय रेल की टीम के खिलाड़ियों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए खेल के 3 एवं 13 मिनट में युमनाम कमला देवी ने खेल के 15 वे 19 वे एवं 28वें मिनट पर अंजू तमांग ने गोलकर भारतीय रेलवे का स्कोर 5-0 कर दिया प्रथम हाफ की समाप्ति पर रेलवे 5-0 से आगे थी दूसरे हाफ का खेल शुरू होते ही उत्तर प्रदेश की टीम ने रणनीति में परिवर्तन करते हुए आक्रमण किया परंतु गेंद को गोल मे तब्दील नही कर सकी खेल के 57 मिनट में संजू ने गोल कर भारतीय रेलवे का स्कोर 6-0 कर दिया मैच की अंतिम सिटी बजाने पर भारतीय रेलवे 6-0 से जीत दर्ज की।

ट्रॉफी भारतीय रेलवे को मुख्य अतिथि श्रीमती सावित्री ठाकरे ने दिया उत्तर प्रदेश को उपविजेता की ट्रॉफी उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के अध्यक्ष अरविंद मेनन ने दिया। समापन समारोह के अवसर पर श्रीमती चित्र शुक्ला चेयर पर्सन उत्तर प्रदेश सरकार अख्तर अली महासचिव उत्तराखंड फुटबॉल संघ उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष अनिल त्रिपाठी भूपेंद्र सिंह संयुक्त सचिव उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ मोहम्मद सादात आरिफ नजमी मेराज खान राना अनवर बिल्लू चौहान मिर्जा बेग धीरेंद्र सिंह डॉ नोशाद हेमंत पनवार निखिल कुमार आदि मौजूद थे। समारोह का संचालन आयोजक जिला फुटबॉल सचिव वाजिद अली ने किया।

नोएडा के सीईओ ने नगला चरणदास में किया वाटर एटीएम का उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने क्षेत्र के नागरिकों को स्वच्छ पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जगह-जगह बॉर्डर एटीएम का निर्माण किया है।

नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग द्वारा सीएसआर फंड के जरिए ग्राम नगला चरणदास औद्योगिक क्षेत्र में बनाए गए वाटर एटीएम का उद्घाटन नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. लोकेश एम ने किया। इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) सतीश पाल एवं महाप्रबंधक (जल)आरपी सिंह तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम ने सीएसआर फंड के जरिए नगला चरणदास औद्योगिक क्षेत्र फेस-2 में नवनिर्मित वाटर एटीएम का उद्घाटन किया। यहां स्थापित वाटर एटीएम से आम जनमानस को स्वच्छ व शीतल पेयजल की आपूर्ति निशुल्क दी जाएगी। इस वाटर एटीएम की क्षमता 1200 लीटर प्रति घंटा है। जिसमें अल्ट्रावायलेट सिस्टम ओजोनिएटर के अलावा फ्लोराइड व क्लोराइड को खत्म करके आम जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। इस वाटर एटीएम में आरो सिस्टम भी लगाया गया है साथ ही ऑटोमेटिक कार्ड ऑपरेटेड वॉटर वेंडिंग मशीन भी लगी है जिसकी क्षमता 20 लीटर प्रति कार्ड होगी। इसके अलावा वेंडिंग मशीन है जिसकी क्षमता 1 लीटर प्रति कार्ड होगी। नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के महाप्रबंधक आरपी सिंह ने बताया कि यह वॉटर एटीएम सुबह 7:00 से दोपहर 12 बजे तक एवं शाम को 5:00 से रात 8:00 बजे तक निशुल्क चलाया जाएगा।

इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने कहा कि नोएडा वासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकरण द्वारा जगह-जगह इस प्रकार के एटीएम बूथ लगाए जा रहे हैं साथ ही सेक्टर में भी शुद्ध पेयजल को सप्लाई करने के लिए प्राधिकरण द्वारा व्यवस्था की गई है।

ठेके के सेल्समैन को दबंगों ने पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शराब की बोतल के पैसे मांगने पर तीन दबंग युवकों ने ठेके के सेल्समैन के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया है। भीड़ इकट्ठा होता देखकर तीनों आरोपी सेल्समैन को अंजाम भुगतने की धमकी देकर फरार हो गए।

जेवर कस्बे में स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान के सेल्समैन दीपक शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 11 अक्टूबर की रात्रि को वह तथा उसका साथी सत्येंद्र शराब के ठेके के भीतर बैठे हुए थे। इस दौरान राहुल पुत्र हरिश्चंद्र व उसका भाई अनिल ठेके पर आए और शराब की बोतल मांगी। उन्होंने जब बोतल की एवज में पैसे मांगे तो दोनों गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर इन्होंने अपने साथी सतीश को भी मौके पर बुला लिया। तीनों लोगों ने सतेंद्र को ठेके से बाहर निकाल कर लाठी डंडों से उसके साथ मारपीट की। मारपीट में सत्येंद्र को गंभीर चोटे आई। इस दौरान आस पड़ोस के लोगों ने किसी तरह बीच बचाव कर मामला शांत कराया। इसके बाद तीनों दबंग युवक भविष्य में अंजाम भुगतने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। मारपीट में घायल हुए सतेंद्र को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि तीनों युवकों की तलाश की जा रही है।

'आप' का लखनऊ में 16 अक्टूबर को होगा प्रदेश सम्मेलन

नोएडा (चेतना मंच)। आम आदमी पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक कार्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने की, जिसमें नोएडा विधानसभा के विस्तार और आगामी कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा की गई।

बैठक में राकेश अवाना ने नितिन प्रजापति को नोएडा विधानसभा का अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की। नितिन प्रजापति पूर्ण में भी यह जिम्मेदारी संभाल चुके हैं ।यह नियुक्ति राज्यसभा सांसद एवं पार्टी प्रभारी संजय सिंह एवं पश्चिम प्रांत अध्यक्ष सोमेंद्र ढाका के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने की है।

बैठक में जिलाध्यक्ष ने बताया कि आम आदमी पार्टी का प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन 16 अक्टूबर, 2024 को लखनऊ में आयोजित होगा। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश प्रभारी संजय सिंह उपस्थित रहेंगे। यह सम्मेलन गांधी भवन, लखनऊ में होगा।

जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा कि नोएडा विधानसभा क्षेत्र में संगठन को सशक्त बनाने के लिए यह सम्मेलन एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस मौके पर जिला महासचिव कैलाश शर्मा, प्रशांत रावत, विजय श्रीवास्तव, जयकिशन जायसवाल,नितिन प्रजापति, सतीश गौतम, तरुण चौहान, प्रिंस राजोरिया आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री तक पहुंचा भूखण्ड आवंटन में बिचौलियों का मुद्दा

नोएडा (चेतना मंच)। औद्योगिक विकास प्राधिकरणों (नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरणों) में तेजी से बढ़ते डेवलपर / बिचौलियों के हस्तक्षेप का मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंच गया है। एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर औद्योगिक भूखंड आवंटन में पारदर्शिता के लिए स्वतंत्र निगरानी तंत्र बनाने की मांग उठाई है।

औद्योगिक भूखंड आवंटन के लिए बने स्वतंत्र निगरानी तंत्र : नाहटा

एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नाहटा ने देश के प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि प्राधिकरणों में डेवलपर / बिचौलियों का हस्तक्षेप भूमि आवंटन, परियोजनाओं की स्वीकृति और अन्य प्रशासनिक कार्यों में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को बढ़ावा दे रहा है। इनके अनुचित हस्तक्षेप के कारण प्राधिकरण के कार्यों में पारदर्शिता और निष्पक्षता समाप्त हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप उद्योगपति और छोटे उद्यमी (एमएसएमई) अपने व्यवसायों में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना विकास प्राधिकरणों का गठन औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए किया गया है, परंतु यहां तैनात होने वाले अफसरों ने इनकी परिकल्पना को ही बदलकर रख दिया है। प्राधिकरण स्वयं एक डेवलपर (विकासकर्ता) है और उद्यमी (एंड यूजर) है। मतलब, प्राधिकरण की जिम्मेदारी औद्योगिक क्षेत्र का विकास कर भूखंडों का आवंटन सीधे उद्यमियों को करने की है, परंतु प्राधिकरणों में तैनात अफसरों ने इस तरह की व्यवस्था बना दी हैं कि स्वयं के और उद्यमियों के बीच एक अन्य डेवलपर (विकासकर्ता) या यूं कहें की बिचौलिए खड़े कर दिए हैं।

ऐसे में एक उद्यमी अपनी सारी पूंजी महंगा भूखंड खरीदने में खर्च कर डालता है। उसके पास इतनी पूंजी नहीं बचती कि वह अपना उद्योग सुचारू रूप से चला सकें।

उन्होंने पत्र में लिखा है कि प्राधिकरण स्वयं एक डेवलपर एजेंसी है तो अपने और एंड यूजर के बीच में एक नया डेवलपर शामिल क्यों किया जाता है। जिन्हें उद्योग स्थापित कर उसका संचालन करना ही नहीं होता तो उन्हें भूखंडों का आवंटन क्यों किया जाता है। प्राधिकरणों के तहत किए जाने वाले विकास कार्यों में बिचौलियों की भूमिका न केवल औद्योगिक विकास को धीमा कर रही है, बल्कि इससे निवेशक भी प्रभावित हो रहे हैं। पत्र में श्री नाहटा ने कुछ सुझाव भी दिए हैं।

संस्था ने दिए सुझाव

- प्राधिकरणों में डेवलपर नाम से बिचौलियों के हस्तक्षेप को खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं और ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।
- सभी कार्यों के लिए एक पारदर्शी और ऑनलाइन प्रणाली स्थापित की जाए, जिससे कोई भी व्यक्ति बिना किसी बिचौलिये के सीधे प्राधिकरण से संपर्क कर सके।
- प्राधिकरणों की गतिविधियों की निगरानी के लिए एक स्वतंत्र और निष्पक्ष एजेंसी का गठन किया जाए, जो यह सुनिश्चित करें कि प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी हों।
- प्राधिकरणों के कार्यों में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को रोकने के लिए प्रभावी कानूनों और नीतियों को सख्ती से लागू किया जाए।

पप्पू पंसारी के गोदाम में भरे पड़े थे पटाखे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दीपावली पर्व को लेकर अवैध रूप से गोदाम में एकत्रित किए गए पटाखे थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने जप्त किए हैं। पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि तेजा मार्केट में पप्पू पंसारी के गोदाम में बड़ी मात्रा में दीपावली पर बेचने के लिए पटाखे व बम एकत्रित किए गए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पप्पू पंसारी के गोदाम पर छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने मौके से तुषार पुत्र देवेंद्र गर्ग निवासी निठौरा जनपद गाजियाबाद को दबोच लिया। गोदाम की तलाशी लेने पर प्लास्टिक के कट्टे व कार्टून में पटाखे भरे हुए मिले। आरोपी से जब बारूद भंडारण का लाइसेंस मांगा गया तो वह दिखाने में असफल रहा। तुषार ने बताया कि दीपावली के अवसर पर पठाखों को बेचकर मुनाफा कमाने के उद्देश्य से वह इन्हें इकट्ठा कर रहा था। मौके से करीब 31 कट्टे पटाखे के बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

बता दें कि पिछले कई सालों से दीपावली पर पटाखों के प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहता है। इसके बावजूद भी चोरी छुपे पटाखे की अवैध रूप से बिक्री की जाती है। दीपावली पर पटाखे की बिक्री करने के उद्देश्य से लोग अभी से ही चोरी छुपे इनका भंडारण करने में लग गए हैं।

31 कट्टों में रखे गए थे पटाखे

ऋषिपाल दंगल में बांटे जाएंगे 4.50 लाख रुपए के ईनाम, एक लाख की होगी सबसे बड़ी कुश्ती

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में हर वर्ष ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा कराए जाने वाले दंगल में इस बार 4.50 लाख रुपए से ज्यादा के ईनाम बांटे जाएंगे। ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा नोएडा में आयोजित किए जाने वाले इस दंगल में सबसे बड़ी इनामी कुश्ती 1 लाख रूपये की होगी। इसके अलावा इस दंगल में महिला पहलवानों की भी कुश्ती होगी।

ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा सेक्टर-15 में स्थित एक रेस्टोरेंट में आयोजित प्रेस वार्ता में ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी चौधरी अतर सिंह व चौधरी धर्मवीर सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 29 वर्षों से ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट नोएडा द्वारा खेल ही नहीं अन्य क्षेत्रों में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने बताया कि 16 अक्टूबर 1994 में ऋषिपाल आर्य की एक सड़क हादसे में दुखद मृत्यु हो गई थी।

ऋषिपाल आर्य की याद में ही हर वर्ष पिछले 29 सालों से 16 अक्टूबर को ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा दंगल का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस बार 16 अक्टूबर 2024 को ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा दंगल का आयोजन किया जाएगा।

दंगल का आयोजन सेक्टर-15 में किया जाएगा इस दंगल में करीब 100 कुश्तियां कराई जाएगी। जिसमें ऋषिपाल गोल्ड कप टाइटल कुश्ती का इनाम एक लाख रुपए होगा। उपविजेता को 51 हजार रुपए तथा तीसरे स्थान पर आने वाले पहलवान को 21000 और चौथे स्थान पर आने वाले पहलवान को 11000 का ईनाम दिया जाएगा।

महिला व बाल पहलवान भी लगाएंगे दांव

ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के ट्रस्टी चौधरी अतर सिंह ने बताया कि इस दंगल में महिला व बाल पहलवानों की भी कुश्ती होगी। जिसमें दूर-दराज से आए पहलवान हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर इस आयोजन में साढे चार लाख रुपए के पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

सामाजिक कार्यों में भी जुटा है ट्रस्ट

ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के ट्रस्टी चौधरी धर्मवीर सिंह ने बताया कि ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट दंगल कराने के अलावा सड़क सुरक्षा सप्ताह, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण और भंडारे जैसी गतिविधियों का भी आयोजन निरंतर करता रहा है। उन्होंने बताया कि सेक्टर-35 के जिस चौराहे पर ऋषिपाल आर्य की सड़क हादसे में मौत हुई थी उस चौराहे का नाम ऋषिपाल चौक रखा गया है। यह चौराहा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास अंडरपास के समीप है। हर वर्ष 16 अक्टूबर को ऋषिपाल आर्य के परिजन, मित्र और प्रशंसक यहां एकत्र होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं उनके नाम से सेक्टर-15 में एक गली और क्रीड़ा स्थल का भी नाम है। इस मौके पर वेद प्रधान, मुख्य ट्रस्टी चौ.अतर सिंह, धर्मवीर सिंह, महेंद्र अवाना, सतीश अवाना, चौधरी राजकुमार, ट्रस्ट के प्रवक्ता मनीष चौधरी आदि कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

प्राधिकरण के गेट पर किसानों ने गाड़ा खूंटा

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन मंच के तत्वधान में नोएडा के 81 गाँवो के किसानों ने गांव हरौला सेक्टर-5 के बारात घर से पैदल मार्च करते हुए नोएडा प्राधिकरण पर पहुंचे जहां किसानों ने टेंट लगा कर धरना शुरू कर दिया।

किसानों के बीच नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी क्रांति शेखर, अरविन्द कुमार पुलिस प्रशासन के एडिशनल डीसीपी मनीष मिश्रा एसीपी प्रवीण कुमार किसानों के बीच धरना स्थल पर पहुंचे। किसानों ने अधिकारियों को नोएडा प्राधिकरण से हुए समझौते पत्र सौपे और भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने अधिकारियों से कहा कि नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी बताएं कि किसानों से हुए समझौते किस रूप में और कितने अमल में लाये गये हैं। 15 अक्टूबर तक समझौत पूर्ण रूप से नोएडा प्राधिकरण में लागू करें अन्यथा तब तक भारतीय किसान यूनियन मंच नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करता रहेगा।

धरने की अध्यक्षता सीमा शर्मा होशियारपुर ने और मंच का संचालन गौतम लोहिया और राजवीर चौहान ने किया।

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन मंच 16 अक्टूबर को नोएडा प्राधिकरण पर ताला लगाया जायेगा। श्री चौहान ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण अधिसूचित क्षेत्र के 81 गांवों के किसानों की कई प्रमुख मांगे हैं जिनमें जिन किसानों को मूल 5 प्रतिशत के प्लॉट नहीं मिले हैं उन सभी किसानों को 5 प्रतिशत के मूल प्लॉट दिए जाएं। जिन किसानों के न्यायालय से आदेश आ चुके हैं उन सभी किसानों को अतिरिक्त 5 प्रतिशत के भूखंड या धनराशि दी जाये। सभी किसानों को वर्ष 1997 से 64.7 प्रतिशत मुवावजा ओर 10 प्रतिशत के विकसित भूखंड सभी किसानों को दिया जाये, नोएडा के सभी 81 गांव के किसानों की आबादी को 450 मीटर से एक हजार मीटर करते हुए आबादी का संपूर्ण समाधान करें ,और 1976 से वर्ष 1997 तक के सभी किसानों को कोटा स्कीम के प्लॉट आवंटित करें।

धरने में बड़ी संख्या में किसानों के अलावा मासी यादव सूरज प्रधान सुरेंद्र प्रधान रामे प्रधान विक्रम यादव गौतम लोहिया राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान,योगेश भाटी गजेंद्र बैसोया, उमंग शर्मा, रिंकू यादव, मनविंदर भाटी अमित विमल त्यागी,सोनू लोहिया, उदय चौहान, प्रिंस भाटी राष्ट्रीय सचिव संदीप भाटी राहुल कसाना जगबीर भाटी सरजीत खारी सतीस भाटी ,ऐके बैसोया ,उमेश चौहान, अमित यादव, रोहतास चौहान, सुमित चौहान एडवोकेट जितेन्द्र,हरीश खारी, सोनू बैसला, रामवीर शर्मा कविंत गुर्जर कपिल यादव सत्येंद्र गुर्जर आदित्य शर्मा अंकित प्रजापति सपना चौहान उषा चौहान सीमा शर्मा उषा शर्मा बाला शर्मा कुसुम कमलेश यादव शर्मा कृष्ण शर्मा पूनम शर्मा भगवती शर्मा सत्यवती अशर्फी देवी रोमा आदि मौजूद रहे।